रूड़की का प्रथम व एक मात्र हिन्दी दैनिक

परम नागरिक

यानि केवल पत्रकारिता

Now Visit us:
www.paramnagrik.in

आर.एन.आई. सं. UTTHIN/2011/36627
डाक पंजीयन- जी U/ADO/DDN/03/2024-2026

वर्ष 15 अंक 26 कुल पृष्ठ 8 रुड़की (हरिद्वार) शनिवार, 22 फरवरी, 2025 मूल्य ₹ 3.00

कहा, आपके पास बस 7 दिन और फिर...

राष्ट्रपति शासन लागू होने के बाद मणिपुर में उग्रवादियों को राज्यपाल का अल्टीमेटम

आरएनएस

नई दिल्ली। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद गवर्नर अजय कुमार भल्ला की तरफ से एक बयान जारी किया गया है। इसमें मणिपुर की सभी कम्युनिटी से लूटे हुए और गैरकानूनी तरीके से रखे गए हथियारों और गोला-बारूद को एक सप्ताह के भीतर सरेंडर करने को कहा गया है। गर्वनर ने कहा है कि डेडलाइन के अंदर हथियार लौटाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाएगी। साथ में ये भी कहा गया है कि अगर कोई 7 दिन की डेडलाइन के बाद भी लूटे या गैरकानूनी हथियार रखता है, तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि मणिपुर में पिछले 2 साल से मैतेई और कुकी समुदाय के बीच जातीय संघर्ष चल रहा है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह और उनके कैबिनेट मंत्रियों ने 9 फरवरी को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद से ही मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। शांति और सांप्रदायिक सद्भाव को प्रभावित करने वाली दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की एक श्रृंखला के कारण घाटी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में मणिपुर के लोगों को पिछले 20 महीनों से भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। सामान्य स्थिति बहाल करने के व्यापक हित में राज्य के सभी समुदायों को शत्रुता की समाप्ति और समाज में शांति और व्यवस्था बनाए रखने को सुनिश्चित करने के लिए आगे आना चाहिए, ताकि लोग अपनी सामान्य दैनिक गतिविधियों में लौट सकें। मणिपुर में नेतृत्व संकट के बीच कांग्रेस सहित तमाम विपक्षी दलों ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की थी। संविधान के अनुसार, विधानसभा के दो सत्रों के बीच छह महीने से ज्यादा अवधि नहीं होनी चाहिए। 12वीं मणिपुर विधानसभा का पिछला सत्र 12 अगस्त 2024 को संपन्न हुआ था, जबकि 10 फरवरी से शुरू होने वाले सातवें सत्र को राज्यपाल स्थगित कर चुके हैं।

इंफाल पश्चिम जिले में कुछ दिनों पहले अलग-अलग अभियानों में कथित तौर पर जबरन वसूली में शामिल तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। दूसरी ओर, कांगपोकपी जिले में सुरक्षा बलों ने छह एकड़ में लगी अवैध अफीम की खेती नष्ट कर दी है। बता दें कि राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के बाद प्रतिबंधित आतंकी संगठनों की ओर से किसी दुस्साहसिक वारदात को टालने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा था कि राज्य प्रशासन को तीन मई, 2023 से अवैध घुसपैठ से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने 498ए से जुड़ी भ्रांतियों को किया स्पष्ट

केवल दहेज प्रताड़ना से नहीं जुड़ी है धारा

ईएमएस

नई दिल्ली। अक्सर यह माना जाता है कि आईपीसी की धारा 498ए केवल दहेज की मांग से जुड़े मामलों पर लागू होती है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस धारणा को साफ करते हुए बताया कि दहेज की मांग के बिना भी यदि किसी महिला को ससुराल में शारीरिक या मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, तब 498ए कानून लागू होगा। दरअसल सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी. वाराले की बेंच ने कहा कि धारा 498ए का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को घरेलू हिंसा और अत्याचार से बचाना है, ना कि केवल

दहेज उत्पीड़न के मामलों तक सीमित रखना है। दरअसल आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने ए.टी. राव नामक व्यक्ति के खिलाफ 498ए के तहत दर्ज केस को खारिज किया था। राव की पत्नी ने आरोप लगाया कि पति और सास ने महिला को घर से निकाल दिया और वापसी की अनुमति नहीं दी। महिला ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद मामला हाई कोर्ट पहुंचा। इसके बाद हाई कोर्ट ने सुनवाई में कहा कि चूंकि दहेज की मांग नहीं की गई थी, इसलिए 498ए के तहत मामला नहीं बनता। इसके बाद पीड़िता ने फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी, जहां हाईकोर्ट का आदेश खारिज कर दिया गया। सुको ने कहा कि धारा 498ए केवल दहेज उत्पीड़न के लिए नहीं, बल्कि किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा, शारीरिक या मानसिक प्रताड़ना के लिए लागू होगी। यदि महिला के साथ क्रूरता हुई है, तब पति और ससुराल वालों पर इस धारा के तहत मामला दर्ज हो सकता है, भले ही दहेज की मांग न की गई हो।

राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी : मोदी

ईएमएस

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के भारत मंडपम में सोल (स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप) कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि किसी भी देश के निर्माण के लिए वहां के नागरिकों का विकास जरूरी है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी भारत को गुलामी से बाहर निकालकर बदलाव लाना चाहते थे। उनका विश्वास था कि अगर 100 लीडर उनके पास हों, तब वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। विवेकानंद के इसी मंत्र को लेकर हम सभी को आगे बढ़ना है। सोल में भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी शामिल हुए हैं। उनके आने पर पीएम मोदी ने कहा कि भूटान के राजा का शुक्रवार को जन्मदिन होना और हमारे यहां ये अवसर होना। ये अपने आप में सुखद संयोग हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज हर भारतीय 21वीं सदी के विकसित भारत के लिए लगतार काम कर रहा है। इसतरह 140 करोड़ देश में हर सेक्टर में, हर कार्यक्षेत्र में, जीवन के हर आधार में हमें उत्तम से उत्तम नेतृत्व की आवश्यकता है। कुछ आयोजन इसतरह के होते हैं, तो

हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये सोल प्रोग्राम भी ऐसा ही है। किसी भी देश को प्रगति करने के लिए न केवल प्राकृतिक संसाधनों की जरुरत होती है, बल्कि मानव संसाधनों की भी आवश्यकता होती है। इस मौके पर लोगों को संबोधित कर पीएम मोदी ने कहा कि भारत एक वैश्विक शक्ति के रूप में उभर रहा है, और यह गति हर क्षेत्र में तेज हो रही है। इस वृद्धि को बनाए रखने और बढ़ाने के लिए हमें विश्व स्तरीय नेताओं की आवश्यकता है। सोल संस्थाएं परिवर्तन में एक गेम-चेंजर हो सकती हैं। इस तरह के अंतर्राष्ट्रीय संस्थान सिर्फ एक विकल्प नहीं हैं, बल्कि एक जरूरत हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आने वाले समय में जब हम डिप्लोमेसी से टेक इनोवेशन तक एक नई लीडरशिप को आगे बढ़ाएंगे , तब सभी क्षेत्रों में भारत का प्रभाव कई गुना बढ़ जाएगा।

विधानसभा सत्र : सदन के पटल पर रखे कई प्रस्ताव

मंत्रियों ने विपक्ष को नहीं दिया घेरने का मौका

आरएनएस

देहरादून। विधानसभा सत्र के चौथे दिन आज सदन के पटल पर कई प्रस्ताव रखे गये। विपक्षी विधायकों ने कई सवाल पूछे जिनका सत्ता पक्ष ने पूरी चतुराई से जबाब दिया और विपक्ष को घेरने का मौक नहीं मिला।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने विपक्ष के स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किए गए सवालों के जवाब दिए। कहा कि हमने कोविड काल में सबको निशुल्क वैक्सीन दी। बदरीनाथ में 50 बेड का अस्पताल तैयार किया हुआ है। हमारी सरकार की मंशा है कि प्रत्येक व्यक्ति को पहाड़ में ही इलाज मिले। एक साल में अभी तक सरकार सभी 26,77,811 लोगों की निशुल्क जांच की है। 94,52,065 सैम्पल की जांच की गई। 1,51,007 संस्थागत प्रसव राज्य में कराए। ईजा बोई योजना के तहत महिलाओं को प्रसव के बाद पौष्टिक आहार के लिए 2000 रुपये दिए जाते हैं। राज्य में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए आना, जाना, ऑपरेशन, चश्मा फ्री है। राज्य में टीबी का इलाज फ्री है। मरीज को 1000 रुपये पौष्टिक आहार के लिए दे रहे हैं। टीबी उन्मूलन में 5000 से ज्यादा गांव टीबी मुक्त हो गए। 2025-26 तक राज्य को टीबी मुक्त करेंगे। घर-घर टीबी की जांच के लिए गाड़ियां भी रवाना की हैं। एनीमिया का इलाज फ्री है। आज राज्य में देहरादून मेडिकल कॉलेज में 150, हल्द्वानी में 150, श्रीनगर में 150,अल्मोड़ा और हरिद्वार में 100-100 छात्र एमबीबीएस कर रहे हैं। इनमें से करीब 40 से 50% बच्चों को बांड से पढ़ाई करते हैं, जो पढ़ाई के बाद पहाड़ में सेवा देंगें। 2027 तक राज्य में 400 में से 90% तक छात्र पीजी करके आ जाएंगे।

नियम-58 के तहत चर्चा में विधायक प्रीतम सिंह ने स्वास्थ्य सुविधाओं का मामला उठाया। वहीं, विधायक मदन सिंह बिष्ट ने कहा कि द्वाराहाट सीएचसी में पद स्वीकृत होने के बावजूद डॉक्टर नहीं हैं। प्रदेश में बड़ी बड़ी इमारतें तो बना रहे हैं लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। जो डॉक्टर पहाड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें रहने दिया जाए। विधायक लखपत सिंह बुटोला ने कहा कि जिला अस्पताल में लोग दूर से आते हैं। पहाड़ में सड़कों की जैसी स्थिति होती है, बहुत परेशानी होती है। चमोली जनपद के गोपेश्वर जिला अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं। श्रीनगर का मेडिकल कॉलेज केवल रेफर सेंटर बना हुआ है। देहरादून में हर आधा किलोमीटर पर अस्पताल है लेकिन पहाड़ में मानक का हवाला दिया जाता है। पलायन का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य है। लोग गांव को इसलिए छोड़ रहे हैं कि उन्हें समय से इलाज मिल जाये। श्रीनगर को विश्व स्तरीय मेडिकल कॉलेज बनाया जाए।

डोईवाला मार्ग के चौड़ीकरण को लेकर शुक्रवार को विधानसभा घेराव के लिए ट्रैक्टर रैली पुलिस चौकी से आगे नहीं जा सकी। पुलिस और प्रशासन में प्रदर्शनकारियों को आगे नहीं जाने दिया। घोषित कार्यक्रम के अनुसार काफी संख्या में स्थानीय ग्रामीण गन्ना सेंटर में एकत्रित हुए थे। कांग्रेस नेता गौरव चौधरी के नेतृत्व में ट्रैक्टर में सवार होकर काफी संख्या में ग्रामीण वाया मोथरोवाला होकर विधानसभा जाने के लिए प्रयास करने लगे, दूधली पुलिस चौकी पर बैरिकेटिंग लगाकर प्रशासन ने उन्हें रोक दिया। मौके पर पहुंचे तहसीलदार सोहन सिंह रंगड़ अपने प्रदर्शनकरियों को समझाया इसके बाद प्रदर्शन सप्ताह भर के लिए आंदोलन स्थापित कर दिया।

भू-कानून के साथ 10 विधेयक हुए सदन में पास

आरएनएस

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा सत्र का आज चौथा दिन था। विधानसभा सत्र का चौथा दिन कई मायनों में ऐतिहासिक रहा। विधानसभा सत्र के चौथे दिन उत्तराखंड में सख्त भू कानून सदन के पटल पर रखा गया। जिसे मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा 10 और विधेयक आज सदन में रखे गये। ये सभी विधेयक पास हो गये हैं।

नगर निकायों एवं प्राधिकरणों के लिए विशेष प्रावधान संशोधन विधेयक पास। उत्तराखंड निक्षेपक हित संरक्षण विधायक 2025 पास। विधानसभा में विधायकों की पेंशन विधेयक पास। उत्तराखंड नीरसन विधेयक पास। उत्तराखंड नगर एवं ग्राम नियोजन तथा विकास संशोधन विधेयक पास। उत्तराखंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी विधेयक पास। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों और पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण विधायक 2025 पास। कुशल खिलाड़ियों के लिए क्षैतिज आरक्षण विधायक पास। उत्तराखंड प्राइवेट यूनिवर्सिटी बिल को सदन से हरी झंडी। उत्तराखंड माल और सेवा कर संशोधन विधेयक को सदन से हरी झंडी।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था संशोधन विधेयक 2025 सदन के पटल पर रखा। जिस पर विपक्ष ने चर्चा की मांग की। चर्चा के पास भू कानून को पारित कर दिया गया।

मुख्यमंत्री ने किया 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन में प्रतिभाग

राज्य को कुशल एवं समृद्ध बनाने को किए जा रहे व्यापक प्रयास : धामी

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित '17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन' में बतौर मुख्यातिथि प्रतिभाग किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण एवं कृषकों का उत्थान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से इस प्रतिष्ठित सम्मेलन को देवभूमि उत्तराखंड की पुण्य धरा में आयोजित किया जा रहा है। ऐसे सम्मेलनों के द्वारा जहां एक ओर किसान भाईयों को कृषि से जुड़ी नवीनतम तकनीकों, शोध परिणामों एवं उत्तम बीज-खाद आदि के विषय में जानने का अवसर प्राप्त होता है, वहीं दूसरी ओर यहाँ पर लगे विभिन्न स्टॉलों के माध्यम से उन्हें औद्यानिकी, पशुपालन एवं जैविक

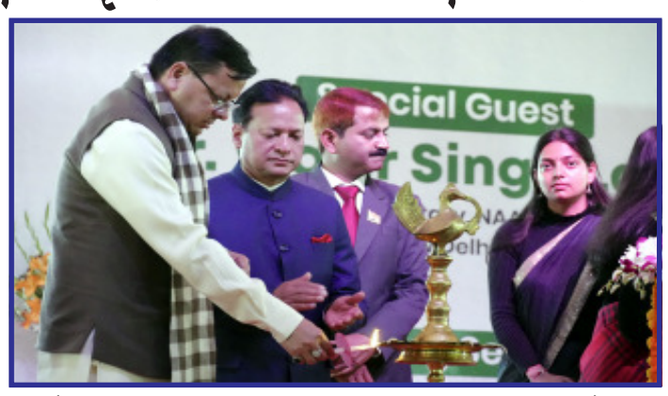

खेती जैसी कृषि की अन्य विधाओं के बारे में भी विषय विशेषज्ञों से महत्वपूर्ण मार्गदर्शन भी मिलता है। उन्होंने कृषि जगत के इतने महत्वपूर्ण एवं प्रतिष्ठित सम्मेलन को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में आज उत्तराखंड को कुशल एवं समृद्ध बनाने के लिए व्यापक स्तर पर प्रयास किए जा रहे है। आज मोदी सरकार द्वारा जहां एक ओर देश में विभिन्न योजनाओं, अभियान के माध्यम से कृषि उपज बढ़ाने की दिशा में कार्य किये जा रहे हैं, वहीं किसानों की आय में बढ़ाने की दिशा में निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। राज्य सरकार भी प्रदेश के किसानों की उत्थान एवं समृद्धि हेतु संकल्पित होकर निरंतर कार्य कर रही है। वर्तमान में प्रदेश में किसानों को तीन लाख रुपए तक का ऋण बिना ब्याज के देने के साथ ही फार्म मशीनरी बैंक योजना के अंतर्गत कृषि उपकरण खरीदने एवं एप्पल मिशन के अंतर्गत सेब के बागान लगाने पर 80 फीसदी की सब्सिडी दी जा रही है। चाय बागान धौला देवी, मुनस्यारी एवं बेतालघाट को जैविक चाय बागान के रूप परिवर्तित किये जाने का काम किया जा रहा है।

आप-कांग्रेस को हम पर उंगली उठाने का नहीं अधिकार, संभालें अपनी पार्टी : सीएम रेखा

24 से विशेष सत्र, कैग रिपोर्ट होगी पेश

ईएमएस

नई दिल्ली। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को आम आदमी पार्टी और कांग्रेस पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि 'आप' ने दिल्ली का सर्वनाश कर दिया, जनता के अधिकारों को हनन किया और काम तक नहीं किया। वे एक दिन में हम पर उंगली उठा सकते हैं। उन्हें अपना और अपनी पार्टी का ध्यान रखें न जानें कितने लोग पार्टी छोड़ने को तैयार बैठे हैं।

सीएम रेखा ने कहा कि दिल्ली में 15 साल कांग्रेस ने राज किया और 13 साल 'आप' ने। वह अपना कार्यकाल देखें हमसे एक दिन में प्रश्न करने वाले ये कौन लोग हैं? जिन्होंने दिल्ली को बैकफुट पर लाकर खड़ा कर दिया, जिन्होंने दिल्ली का सर्वनाश कर दिया, दिल्ली के जनता के अधिकारों को हनन किया, सिर्फ नारे दिए और कोई काम नहीं किया। वे एक दिन में हम पर उंगली उठाएंगे? हमने शपथ लेने के तुरंत बाद पहले दिन कैबिनेट बैठक की और हमने आयुष्मान भारत योजना को मंजूरी दी, जिसे 'आप' ने रोक रखा था।

नई दिल्ली। दिल्ली की नवगठित भाजपा सरकार ने 24 फरवरी से तीन दिन का विशेष विधानसभा सत्र बुलाया है। इस सत्र में सभी नवनिर्वाचित विधायक शपथ लेंगे, जबकि पांच साल से लंबित कैग की 14 रिपोर्ट भी पेश की जाएगी। कथित शराब घोटाले पर भी रिपोर्ट पटल पर रखी जाएगी। शपथ ग्रहण समारोह के बाद दिल्ली में नई भाजपा सरकार की पहली कैबिनेट बैठक गुरुवार को सीएम रेखा गुप्ता की अगुवाई में हुई। बैठक में सीएजी की रिपोर्ट पर चर्चा हुई। अगले सप्ताह दिल्ली विधानसभा का पहला सत्र होगा और इस सत्र में 14 सीएजी रिपोर्ट पेश की जाएंगी। इसके साथ ही कैबिनेट ने आयुष्मान भारत योजना को भी मंजूरी दी है।

यूपी सरकार पूरी तरह विफल : राहुल

रायबरेली। कांग्रेस नेता एवं रायबरेली सांसद राहुल गांधी ने बीजेपी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि यूपी की सरकार विफल सरकार है। इस सरकार को हटाया जाना चाहिए। केंद्र स्कूल, कॉलेजों का निजीकरण कर रही है। यह सरकार नौकरियां देने में सक्षम नहीं है। साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए अभी जुट जाने के लिए कहा। गौतम अडाणी को लेकर राहुल गांधी ने कहा कि मोदीजी अमेरिका जाकर कहते हैं कि मेरा पर्सनल मैटर है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि दो हिन्दुस्तान है। एक अडाणी, अंबानी और एक गरीबों का हिन्दुस्तान है।

लक्ष्य प्राप्ति को हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की आवश्यकता : राज्यपाल

संवाद सहयोगी

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने शुक्रवार को सरदार भगवान सिंह विश्वविद्यालय(एसबीएसयू), देहरादून के प्रथम दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने स्नातकों को डिग्री और मेडल प्रदान किए तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न प्रकाशनों का विमोचन भी किया।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि वे ऐसे समय में एक नई यात्रा की शुरुआत कर रहे हैं जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल करने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा

कि देश की प्रगति में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

राज्यपाल ने तकनीकी विकास और स्टार्टअप क्रांति पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज का युग क्वांटम कंप्यूटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग का है, और भारत इन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे केवल नौकरी की तलाश तक सीमित न रहें, बल्कि अपने कौशल, रचनात्मक सोच और कठोर परिश्रम के बल पर स्टार्टअप शुरू करें और सफल उद्यमी बनें। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी में असीम संभावनाएँ हैं, और यदि वे आत्मनिर्भरता और नवाचार को अपनाएं, तो न केवल अपने लिए, बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी नए अवसरों का सृजन कर सकते हैं। राज्यपाल ने डिग्री धारकों को बड़े सपने देखने, उच्च लक्ष्य निर्धारित करने और कठिन परिश्रम से उन्हें साकार करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों से आजीवन सीखने और अपने क्षेत्रों में सार्थक योगदान देने का आग्रह किया।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विशेष अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया और डिग्री धारकों को बधाई व भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। एसबीएसयू के कुलपति प्रो. (डॉ.) जे. कुमार ने विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। एसबीएसयू के अध्यक्ष डॉ. गौरव दीप सिंह ने स्नातकों को बधाई देते हुए कहा कि यह दीक्षांत समारोह न केवल वर्षों की कड़ी मेहनत का परिणाम है, बल्कि एक नई यात्रा की शुरूआत का प्रतीक है।

ज्ञान देने की बजाय अपने गिरेबान में झांकें राहुल गांधी : माया

ईएमएस

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बता दिया है। सोशल मीडिया पोस्ट में बसपा सुप्रीमो ने सांसद राहुल गांधी को अपने गिरेबान में झांकने की नसीहत दे डाली है।

उन्होंने लिखा, कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह एक आम चर्चा है, इसकारण दिल्ली में बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना दिल्ली चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा सके। इसके बाद कांग्रेस के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर और खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक लेना चाहिए। मायावती ने लिखा, साथ ही, दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित और विकास संबंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा न हो जाए। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि हम चाहते थे कि मायावती हमारे साथ मिलकर चुनाव लड़ें। अगर तीनों पार्टियां एक साथ चुनाव लड़तीं, तब यूपी में भाजपा कभी नहीं जीत पाती।

निरंकारी मिशन जल संरक्षण और स्वच्छता को बढ़ावा देगा

हरिद्वार। संत निरंकारी मिशन प्रोजेक्ट अमृत के तहत स्वच्छ जल, स्वच्छ मन परियोजना के तृतीय चरण में ऋषिकुल के पास महर्षि कश्यप घाट, राम घाट, मालवीय घाट, गोविन्द घाट, गुरु नानक घाट पर कार्य करेगा। इसका उद्देश्य जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके। संत निरंकारी मिशन ने बाबा हरदेव सिंह महाराज की प्रेरणादायक शिक्षाओं को आत्मसात कर वर्ष 2023 में संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से प्रोजेक्ट अमृत का शुभारंभ किया था। इस दिव्य पहल का उद्देश्य केवल जल स्रोतों की स्वच्छता सुनिश्चित करना ही नहीं, बल्कि जल संरक्षण को मानव जीवन का अभिन्न अंग बनाने की सोच को विकसित करना है। नदियों, झीलों, तालाबों, कुओं और झरनों जैसे प्राकृतिक जल स्रोतों की स्वच्छता एवं संरक्षण को समर्पित इस महाअभियान ने अपने पहले दो चरणों में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की।

वहीं गैंडी खाता के नंदीपुरम में आयोजित 6 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मर्म विज्ञान एवं मर्म चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया है। इस कार्यक्रम में देश-विदेश से आए प्रतिभागियों ने मर्म चिकित्सा का ज्ञान प्राप्त किया और उन्हें प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान, मृत्युंजय मिशन के संस्थापक एवं मर्म चिकित्सा के विशेषज्ञ डॉ सुनील जोशी ने कहा कि मर्म चिकित्सा एक ईश्वरीय वरदान है जो हमें प्राकृतिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है।

रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने पर श्री वैश्य बंधु समाज ने जताया हर्ष

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही भाजपा

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार एवं संस्था की महिला विंग की सदस्यों ने रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने पर हर्ष जताते हुए पुराने रानीपुर मोड़ पर एकत्र होकर राहगीरों को मिठाई वितरित की। श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार के मार्गदर्शक पराग गुप्ता एवं संस्थापक अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता निश्चित रूप से दिल्ली के विकास में अपना योगदान देंगी। पार्टी को भी उनके अनुभव का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज की महिलाएं राजनीति के माध्यम से भी देश सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री

नरेंद्र मोदी पार्टी में समान रूप से महिलाओं को हिस्सेदारी दे रहे हैं। अशोक अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज बड़ी संख्या में भाजपा की विचारधाराओं से जुड़ा हुआ है। हिंदुओं के संरक्षण संवर्धन में केंद्र एवं राज्य सरकार अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। महिला विंग की संस्थापक शशि अग्रवाल, अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज की महिला को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने समाज की सभी महिलाओं को सम्मान दिया है। रेखा गुप्ता अनुभवी प्रशासक के रूप में दिल्ली का चहुंमुखी विकास करेंगी। दिल्ली सरकार की योजनाओं का लाभ सभी दिल्ली वासियों को समान रूप से दिलाएंगी। आभार जताने वालों में सीमा अग्रवाल, नमिता गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, सपना गर्ग, शालिनी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, विनीत अग्रवाल, प्रवीण आदि शामिल रहे।

सनातन धर्म संस्कृति को आगे बढ़ाने में संत महापुरूषों की अहम भूमिका

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। मिस्सरपुर स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर का 35वां स्थापना दिवस संत महापुरूषों व श्रद्धालु भक्तों के सानिध्य में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर हवन यज्ञ एवं संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालु भक्तों की आस्था का केंद्र है। सनातन धर्म संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में संत महापुरूषों की हमेशा अहम भूमिका रही है। श्री सिद्धेश्वर मंदिर के महंत हनुमान बाबा जिस प्रकार मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं। वह सराहनीय है। महंत हनुमान बाबा ने सभी संत महापुरूषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भक्तों की सभी मनोकामनाएं भगवान शिव अवश्य पूरी करते हैं। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि पर मंदिर में विशेष आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त और संतजन शामिल होंगे। बापेश्वर धाम के परमाध्यक्ष महंत मधूसूदन गिरी महाराज ने कहा कि इस सृष्टि के कण-कण में भगवान शिव का वास है। जो श्रद्धालु भक्त नियमपूर्वक भगवान शिव का ध्यान करते है। भगवान शिव की कृपा से उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि, महंत जसविंदर सिंह, महंत निर्भय सिंह, महंत राघवेंद्र दास, स्वामी शिवानंद, महंत गोविंददास, महंत जयेंद्र मुनि, महंत कैलाश मुनि, स्वामी संतोषानंद, स्वामी ऋषि रामकृष्ण, और श्रद्धालु मौजूद रहे।

फिनलैंड में नौकरी के नाम पर 11 लाख हड़पे

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। फिनलैड में नौकरी लगवाने के नाम एक युवक से करीब 11 लाख की रकम ठग ली गई। पीड़ित की शिकायत पर रानीपुर कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीआईयू की मदद भी जांच में ली जा रही है। बहादराबाद के औद्योगिक क्षेत्र की रामधाम कॉलोनी निवासी जितेंद्र कुमार शर्मा पुत्र कृष्ण कुमार शर्मा ने रानीपुर कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसने नौकरी के लिए ऑनलाइन बॉयो डाटा दिया था। आरोप है कि अक्टूबर 2023 में फिनलैंड की हुहुतामाकी कंपनी का मेल मिला। इसमें उसे जीएम की पोस्ट ऑफर की गई। उसे कहा गया कि नौकरी पाने के लिए उसे कुछ रकम अदा करनी होगी। इसके बाद रकम वापस मिल जाएगी। आरोप है कि उससे जॉब, वीजा, टिकट और बैंक खाता खुलवाने के लिए रकम मांगी गई।

वहीं दूसरी ओर मुस्लिम धार्मिक यात्रा उमराह के नाम पर कई लाख की ठगी मामला सामने आया है। पीड़ित पक्ष की शिकायत पर रानीपुर कोतवाली पुलिस ने यमुनानगर के आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत प्रभावी धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। रानीपुर क्षेत्र के सलेमपुर महदूद निवासी शाहनवाज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि सात माह पूर्व उसके परिचित गांव की मस्जिद के इमाम कारो युनुस ने उसकी मुलाकात सईददुज्जमा पुत्र अब्दुल रब निवासी खिजराबाद प्रतापनगर जिला यमुनानगर से कराई थी। उसने बताया था कि वह हज और उमराह पर आमजन को भेजने का कार्य करता है।

त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया तीन दिवसीय एक्सपो का उद्घाटन

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री विकास संस्थान द्वारा प्रेम नगर आश्रम के गोवर्धन हॉल में आयोजित तीन दिवसीय हिमालयन एक्सपो व भारत डेवलपमेंट स्कीम एक्सपो का उद्घाटन हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया। प्रदर्शनी 23 फरवरी तक चलेगी। जिसमें देश-विदेश की सैकड़ों कंपनियां और उत्तराखंड राज्य सरकार व भारत सरकार के मंत्रालय ओर विभाग भाग ले रहे हैं।

जानकारी के अनुसार तीन दिवसीय हिमालयन एक्सपो व भारत डेवलपमेंट स्कीम एक्सपो का उद्घाटन हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियों से स्थानीय उत्पादों को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ता है। स्थानीय लोगों द्वारा

तैयार किए गए उत्पादों को लोग प्रदर्शनी के माध्यम से यहां देख भी सकते हैं और परख भी सकते हैं। जिससे उनकी अच्छी मार्केटिंग हो जाती है। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल का जो सपना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देखा गया है। वो इस प्रदर्शनी में झलक रहा है। यहां पर कई राज्यों के लोग आकर अपने-अपने उत्पादों के स्टॉल लगा रहे हैं। साथ ही लोग भी इन उत्पादों को परख रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद पूरे विश्व ने भारत के आयुर्वेद का लोहा माना है। बलिन्दर कुमार ने बताया की प्रदर्शनी में एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देश की लगभग 100 इकाइयों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीएसआईआर, उत्तराखंड जल विद्युत निगम, बागवानी विभाग तमिलनाडु, बागवानी विभाग उत्तराखंड, आईसीएआर द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया किया जा रहा है। प्रदर्शनी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत लक्ष्य से प्रेरित होकर आयोजित की गई है। जिसमें आयुर्वेद, ऑर्गेनिक, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट कृषि, बागवानी, जूट आदि घरेलू उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।

योनेक्स सनराइज उत्तराखंड मास्टर वेटरेन बैंडमिंटन चैंपियनशिप शुरू

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। नवनिर्मित सिटी स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में तीन दिवसीय योनेक्स सनराइज 23वीं उत्तराखंड मास्टर वेटरेन बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के करीब ढाई सौ से भी अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे।

एचआरडीए के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ बड़ी प्रतियोगिता से हुआ है। जिसका लाभ यहां के युवाओं को होगा। बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव आशुतोष शर्मा का बताया कि तीन दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे है। प्रतियोगिता में पुरूष और महिला वर्ग में मैच खेले जाएंगे।

वहीं दूसरी ओर हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित 38वें

नेशनल गेम्स में पदक जीतकर लौटे जवान को एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बधाई ओर पांच हजार रूपए का ईनाम देने की घोषणा की। राष्ट्रीय खेलों में जूडो के मिक्सड़ डबल इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले हरिद्वार पुलिस के हेडकांस्टेबल वीरेंद्र सिंह कैंप कार्यालय में एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल से भेंट की। वीरेंद्र सिंह की शानदार उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एसएसपी ने उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं और पांच हजार रूपए का नगद ईनाम देने की घोषणा की।

भारतीय मानक ब्यूरो ने आईआईटी रूड़की के

छात्रों को कराया हैवल्स इंडिया का भ्रमण

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। भारतीय मानक ब्यूरो देहरादून की ओर से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के मानक क्लब के विद्यार्थियों के लिए हरिद्वार सिडकुल स्थित हैवल्स इंडिया लिमिटेड में इंडस्ट्रियल एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस दौरान आईआईटी रुड़की के विद्यार्थियों ने औद्योगिक प्रक्रिया को जाना। हैवल्स इंडिया लिमिटेड की ओर से भीष्म सिंह गहलोत तथा अनूप सिंह ने व्याख्यान के माध्यम से औद्योगिक इकाई की कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। मानक क्लब के मेंटर डा. मोहित प्रकाश मोहंती ने कहा कि हैवल्स इंडिया लिमिटेड में आयोजित शैक्षिक भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को मैन्युफैक्चरिंग की प्रक्रिया को विस्तार से जानने का अवसर मिला। भारतीय मानक ब्यूरो

की ओर से डा.जितेंद्र नेगी ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो का यह प्रयास विद्यार्थियों को मानक के प्रति जागरूक करने का अहम प्रयास है। इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक एसएमजेएन पीजी कॉलेज के प्राध्यापक एवम् भारतीय मानक ब्यूरो के रिसोर्स पर्सन डा. विजय शर्मा ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानक जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो तथा हैवल्स इंडिया लिमिटेड की स्थानीय इकाई का आभार व्यक्त किया।

मांगों को लेकर लघु व्यापारियों ने किया सहायक नगर आयुक्त का घेराव

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। लघु व्यापारी संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में लघु व्यापारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर फेरी समिति प्रभारी अधिकारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र दयाल का घेराव किया।

इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा समय से फेरी समिति की बैठक न बुलाए जाने के कारण हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र के लघु व्यापारियों का पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, पुलिस प्रशासन द्वारा उत्पीड़न व शोषण किया जा रहा है। संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के अनुसार शहरी समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेडी पटरी के लघु व्यापारियों

को वेंडिंग जोन, हाकिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना चाहिए था। लेकिन नगर निगम प्रशासन की लापरवाही की वजह से नगरीय फेरी नीति नियमावली का क्रियान्वन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के नगर निगम सर्वे के अनुसार अभी तक तीन वेंडिंग जोन विकसित किए गए हैं। लेकिन विकसित किए गए वेंडिंग जोन में भी लाभार्थियों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा शीघ्र ही शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात कर पूरे प्रदेश में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की समस्याओं का अवगत कराकर शासन स्तर पर फेरी नीति नियमावली की समीक्षा बैठक की मांग को प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। लघु व्यापारियों को आश्वासन देते हुए सहायक नगर आयुक्त रविंद्र दयाल ने कहा कि शीघ्र ही उच्च अधिकारियों से निर्देशन प्राप्त कर मार्च के प्रथम सप्ताह में फेरी समिति की बैठक आयोजन कर नगर निगम में सभी पंजीकृत रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को योजनाबद्ध तरीके से सरकार के संरक्षण में व्यवस्थित व स्थापित किया जाएगा। इस दौरान प्रद्युम्न सिंह, विकास सक्सेना, सुनील कुकरेती, मनीष, धर्मपाल सिंह, आजम अंसारी, मोहनलाल, सचिन बिष्ट, प्रमोद, वीरेंद्र, श्याम कुमार, भोले यादव, चंदन सिंह रावत, जय सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश आदि लघु व्यापारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

दुर्भाग्यपूर्ण है भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल का बयान

संवाद सहयोगी

हरिद्वार। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विधायक बिशन सिंह चुफाल के बयान को कांग्रेस नेता दीपक टंडन ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। दीपक टंडन ने कहा कि भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल गैर जिम्मेदाराना बयान देकर भाजपा की रीती नीतियों से प्रदेश की जनता को अवगत करा रहे हैं।

प्राप्त जानकारी के अनसार दीपक टंडन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए अभियान चला रहे हैं। लेकिन उनके ही विधायक मांग कर बीड़ी पीने जैसे बयान देकर उत्तराखंड की छवि को धूमिल करना चाहते हैं। गैर जिम्मेदाराना बयान देकर चुफाल प्रदेश की जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विधायक बिशन सिंह चुफाल के बयान से आहत है। तंबाकू जैसे उत्पाद को लेकर उनका बयान तंबाकू की वस्तुओं को लोकप्रिय करने जैसा है। उन्हें प्रदेश की जनता से अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। दीपक टंडन ने यह भी कहा कि विधायक को शर्म आनी चाहिए। जनप्रतिनिधि ही इस तरह का बयान देंगे तो प्रदेश का हित कैसे हो सकता है। पूरे प्रदेश में बंदरबांट का खेल जारी है। सत्ता के विधायक बेहतर जीवन जी रहे हैं। जनता की समस्याओं से उनका कोई लेना देना नहीं है। प्रदेश के लोग अनेकों प्रकार के टैक्स, महंगाई का बोझ और बेरोजगारी झेल रहे हैं और भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल बीड़ी पीने जैसी बातें कर रहे हैं। जन समस्याओं से इनका कोई लेना देना नहीं है। जनता की कोई भी बात नहीं करता है।

उत्तर रेलवे

ई-नीलामी

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक/कोचिंग, (ए.सी.ओ) उत्तर रेलवे मुरादाबाद मंडल के द्वारा पार्किंग के कार्य हेतु ई-बोलियाँ दिनांक 10.03.2025 एवं पे एंड यूज शौचालय के कार्य हेतु ई-बोलियाँ दिनांक 11.03.2025 को IREPS के माध्यम से विभिन्न स्टेशनो पर www.ireps.gov.in पर आमंत्रित की जाती है, जिसकी विस्तृत जानकारी, नियम व शर्ते www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

594/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

शांतिभंग में पांच लोग पुलिस की गिरफ्त में

रुड़की। देर शाम को पुलिस को सूचना मिली कि कोतवाली क्षेत्र के ठसका गांव में दो लोग लड़ाई झगड़ा कर शांतिभंग कर रहे हैं प पुलिस ने शांतिभंग करने वाले दोनों आरोपियों पंकज कुमार और करण पाल निवासी ग्राम ठसका को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, गोपालपुर में भी तीन लोग लड़ाई झगड़ा कर शांतिभंग करने का प्रयास कर रहे थे। सूचना मिलने पर पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने अपने नाम राजपाल, बबलू और नरेश निवासी ग्राम गोपालपुर बताया है। पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार सभी आरोपियों का लिखापढ़ी के बाद चालान कर दिया है।

वहीं सेवानिवृत एक कर्मचारी को सम्मोहित कर ठगों ने सोने की दो अंगूठी उतरवा ली और फरार हो गए। पीड़ित ने गंगनहर कोतवाली पुलिस को बताया कि ठगों ने दिन दहाड़े रामनगर में इस घटना का अंजाम दिया।

डीएम ने भारपुर गांव में सजाया जनता दरबार

सुनी ग्रामीणों की समस्याएं, कई का मौके पर ही निस्तारण

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्राथमिकताओं में शामिल सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधि कारी कमेंद्र सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय भारापुर, विकास खंड रुड़की में जनता दरबार लगाकर क्षेत्र की समस्याएं सुनी।जनता दरबार में जमीन कब्जा मुक्त कराने, राशन कार्ड बनवाये जाने, सड़क मरम्मत एवं पेंशन आदि से सम्बन्धित कुल 33 शिकायतें एवं मांग प्राप्त हुई, जिसमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।

शुक्रवार को जिलाधिकारी हरिद्वार ने भारापुर गांव में सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम आयोजित किया।इस दौरान ग्राम प्रधान कविता रानी ने जिलाधिकारी हरिद्वार कमेंद्र सिंह को बुके देकर स्वागत किया।कार्यक्रम में ग्रामवासियों ने समस्या बताई कि बरसात होने से रतमऊ नदी से बाढ़ आ जाती है, बाढ़ रोकने हेतु तटबन्ध बनाया जाये जिस पर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को निरीक्षण कर तटबंध बनाने हेतु निर्देश दिये तथा सिंचाई विभाग द्वारा तटबंध के लिए शासन में प्रस्ताव भेजा जाने को बताया गया। सोनू पुत्र शहीद और रशीद पुत्र मुनसाब ने विगलांग पात्रता के द्वारा बैटरी रिक्शा की मांग की जिसपर जिलाधिकारी ने पात्र व्यक्तियों को रिक्शा दिलवाने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिये। अकबर पुत्र नजीर ने अपने खेत में बिजली की तार ओर रविदास मंदिर से कला के घर तक बिजली की तार बहुत नीचे होने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने जांच करने के निर्देश सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को दिये। असलम ने भारापुर गांव के पानी की निकासी के लिए नाला निर्माण की मांग की साथ ही हाइवे से बाईपास रोड की मांग की। जिसपर जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी विभाग को निर्देशित किया। उप प्रधान मोहम्मद अली शेर ने रतमऊ नदी पर पुल बनवाने को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया। महबूब ने नदी से किसानों के खेत की कटान होने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को जांच करने के निर्देश दिए। ग्रामवासियों ने गांव में वाल्मीकि समाज का मंदिर बनवाने को लेकर मांग की। जिसपर जिलाधिकारी ने जमीन के लिए प्रस्ताव होने की बात कही।महिलाओ द्वारा गांव में नशे के खिलाफ कारवाई करवाने को लेकर शिकायत की जिसपर पुलिस विभाग को करवाई करने के निर्देश दिए साथ ही 15 दिन के अंदर करवाई करे और रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जिलाधि कारी ने कुछ व्यक्तियों की मांग पर सीएमओ को गांव में चिकित्सा के लिए मोबाइल वैन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए साथ ही कैंप भी लगवाने के निर्देश दिए।शाहनूर ने राशन कार्ड से नाम कटने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी ने डीएसओ को जांच करने की निर्देश दिए। जमील निवासी भारापुर ने चक रोड को कब्जा मुक्त करवाने को लेकर शिकायत की जिसपर पटवारी को जांच करने के निर्देष दिए।जिलाधिकारी ने वीडीओ, वीपीडीओ तथा लेखपाल की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली।

डेढ़ कुंतल प्रतिबंधित मांस बरामद, एक आरोपी धरा

रुड़की। थाना क्षेत्र के गांव में पुलिस ने देर शाम छापा मारकर डेढ़ कुंटल प्रतिबंधित मांस के साथ गोकशी के उपकरण बरामद किए। मौके से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि उसके तीन साथी फरार हो गए।

कार्यवाहक थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार ने बताया कि बुध वार देर शाम पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम कोटवाल आलमपुर में शौकत अली के मकान के अंदर गोकशी की जा रही है। पुलिस ने ग्राम कोटवाल आलमपुर में शौकत के मकान पर छापा मारा। वहां से तीन आरोपी शराफत अली, वकील अहमद निवासी ग्राम कोटवाल आलमपुर और साबिर अली निवासी ग्राम कुमराडी मकान की दीवार कूदकर फरार हो गए। जबकि शौकत अली को गिरफ्तार कर लिया गया।

विशंभर सहाय इंस्टीट्यूट में छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

रंगोली में एसडी डिग्री कॉलेज व मेंहदी में डीएवी ने मारी बाजी

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। बिशंभर सहाय ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस संचालित रूप चंद शर्मा एजुकेशन ट्रस्ट ने अपने महाविद्यालय के संस्थापक सदस्य स्वर्गीय खेमवती शर्मा की 11वीं पुण्यतिथि पर एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नृत्य, मेहंदी एवं रंगोली प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। मुख्य अतिथि वीर माधव सिंह भंडारी उत्तराखंड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून के कुलपति ओंकार सिंह एवं अति विशिष्ट अतिथि मेयर अनीता अग्रवाल एवं संस्थान के सचिव चंद्रभूषण शर्मा रहे। इस अवसर पर कुलपति ओंकार सिंह ने कहा कि हर किसी को अपने पूर्वजों की याद में कुछ ना कुछ सामाजिक कार्य करते रहना चाहिए। जिस प्रकार बिशंभर सहाय इंस्टिट्यूट में किया गया है। उससे छात्र-छात्राओं को शिक्षा के ज्ञान के साथ-साथ व्यवहारिक ज्ञान भी प्राप्त होता है।महापौर अनीता अग्रवाल ने कहा कि जिस तरह का आयोजन अपने पूर्वजों की याद में आज संस्थान के अंदर किया गया है। उसे देखकर मन प्रसन्न हुआ एवं प्रतियोगिता में जिस तरह की भागीदारी कन्याओं द्वारा दिखाई गई है। इसका सीध ा-सीधा असर महिला सशक्तिकरण को बेहतर बनाने पर पड़ता है। इस तरह के कार्यक्रम से छात्र-छात्राओं को अपनी छुपी हुई प्रतिभा दिखाने का अवसर प्रदान करता है। संस्थान के सचिव चंद्र भूषण शर्मा ने कहा कि हमारा संस्थान हर वर्ष अपनी फाउंडर चेयरमैन की याद में एक प्रतियोगिता का आयोजन करता है। जिसमें प्रदेश के सभी कॉलेज से छात्र-छात्राएं बढ़-कर हिस्सा लेते हैं। सभी छात्र-छात्राओं को नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी देकर सम्मानित किया जाता है। संस्थान के कोषाध्यक्ष सौरभ भूषण शर्मा ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से छात्र-छात्राओं की छुपी हुई प्रतिभा निखर कर सामने आती है। उन्हें एक अच्छा मंच मिलता है अपनी प्रतिभा दिखाने का आज के युग में शिक्षा के साथ-साथ ऐसी गतिविधियों में भी विद्यार्थियों को अव्वल आना चाहिए। संस्थान के मैनेजिंग डायरेक्टर गौरव भूषण शर्मा ने कहा कि आज के दिन हमारे संस्थान में प्रदेश के कॉलेज एवं स्कूलों से विद्यार्थी आकर प्रतिभाग करते हैं जिससे हमारे संस्थान में अध्यनरत छात्र-छात्राओं में भी नहीं ऊर्जा का संचार होता है। सभी विद्यार्थियों को अपनी कला दिखाने का एक अच्छा मंच प्राप्त होता है। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एसडी डिग्री कॉलेज, द्वितीय स्थान बीएसएम पीजी कॉलेज एवं तृतीय स्थान राजकमल पीजी कॉलेज ने प्राप्त किया। डांस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान एसजीआरआर पब्लिक स्कूल, द्वितीय स्थान भूमानंद कॉलेज हरिद्वार एवं तृतीय स्थान मेथाडिस्ट इंटर कॉलेज ने प्राप्त किया। मेहंदी कम्पीटीशन में प्रथम स्थान केएलडी एवी पीजी कॉलेज रुड़की, द्वितीय स्थान चमन लाल डिग्री कॉलेज रुड़की, एवं तृतीय स्थान मेथाडिस्ट डिग्री कॉलेज रुड़की ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता में बिशंभर सहाय डिग्री कॉलेज हरिद्वार यूनिवर्सिटी ,बीएसएम पीजी कॉलेज रुड़की, चमन लाल डिग्री कॉलेज ,के एल डी एवी पी.जी कॉलेज ,महावीर इंटरनेशनल स्कूल रुड़की ,राजकमल कॉलेज हरिद्वार ,एसडी डिग्री कॉलेज रुड़की, मेथाडिस्ट इंटर कॉलेज, आदि ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।

रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज की ओर से शफीपुर में शुक्रवार को आयोजित शिविर के तीसरे दिन का शुभारंभ योग और प्राणायाम से किया गया। स्वमंसेविकायों ने रैली निकालकर लोगों को जागरूक भी किया। आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर पायल ने किया। प्रात योगाभ्यास के साथ छात्राओं को योग का महत्तव बताया गया। इसके बाद स्पर्श गंगा अभियान को लेकर रैली का आयोजन किया गया। स्वयं सेविकाओं ने पोस्टर और बैनरों के माध्यम से गंगा बचाओ का संदेश दिया। रैली के बाद, गंगा घाटों पर सफाई अभियान चलाया गया। इसके साथ ही गंगा को स्वच्छ बनाए रखने के लिए नियमित सफाई करने का संकल्प भी लिया गया। बौद्धिक सत्र में आईआईटी रुड़की के वरिष्ठ प्रो नवनीत अरोड़ा ने छात्राओं को ज्ञानवर्धन किया।

वहीं केएलडीएवी महा विद्यालय में शुक्रवार को करियर एवं काउंसिलिंग प्रकोष्ठ की ओर से स्टार्टअप को लेकर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के लिए मुख्य वक्ता पेट्रोलियम एवं ऊर्जा विश्वविद्यालय से डॉ. वैभव त्रिपाठी ने एक सफल उद्यमी बनने के लिए वांछित दूरदृष्टी, समस्या एवं समाधान पर विस्तार से चर्चा की। छात्र-छात्राओं के बीच समन्वय स्थापित कर उद्यमिता की योजना एवं प्रबंधन पर प्रकाश डाला। यूपीईएस के डॉ. हरीश पुंडीर ने विषय से संबंधित सरकारी योजनाओं से अवगत कराया। प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. मंजुल धीमान ने उद्यमिता के अवसर एवं चुनौतियों को लेकर मार्गदर्शन किया।

फैक्ट्रियों में उत्तराखंड के युवाओं से नौकरी के नाम पर लाखों की घूसखोरी के मुद्दे पर बोले उमेश कुमार

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। उत्तराखंड विध ानसभा सत्र के चौथे दिन विध ायक उमेश कुमार ने कौशल विकास मंत्री से सरकारी मेलों के माध्यम से फैक्टरियों में युवाओं को नौकरियों में नियुक्तियों को लेकर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि खानपुर विधानसभा में स्थित जेके टायर (कैवेंडिश) नाम की कंपनी पर बेबाकी से अपनी बात रखी । उन्होंने कहा कि ये कंपनियां युवाओं से पैसे लेकर नौकरियां लगवाने का काम कर रही हैं। उन्होंने सदन में पूछा कि सेवायोजन कार्यालय लैंसडौन द्वारा 29 दिसंबर 2024 में जिस रोजगार मेले का आयोजन किया गया था जिसमें 729 नौकरियां युवाओं को मिलनी थी। क्या उस मेले का आयोजन हुआ था? जिसमें 14 कम्पनियां उसमें लिस्टेड थी। जिसमें जेके टायर (कैवेंडिश) नाम की कंपनी भी शामिल है जो खानपुर विध ानसभा में आती है। उसमें स्थानीय युवाओं की नियुक्तियां करवाई गई थी या नहीं करवाई गई थी उन नियुक्तियों का क्या हुआ। जिस पर कौशल विकास मंत्री ने अन्य भर्तियों के आंकड़े बताए पर खानपुर में स्थित जेके टायर (कैवेंडिश) कंपनी में हुई नियुक्तियों की जानकारी नहीं दे पाए। विधायक उमेश कुमार ने कहा कि उनकी विधानसभा की दो कंपनियों गोल्ड प्लस और जेके टायर (कैवेंडिश) में 50 पदों पर नियुक्ति होनी थी लेकिन वहां एचआर युवाओं से नौकरी के नाम पर तीन से चार लाख लेकर नियुक्ति करता है।

लोजमो के धरने को मिला व्यापार मंडल का समर्थन

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। लोकतांत्रिक जनमोर्चा रुड़की के रुड़की जिला बनाने की मुहिम को लेकर 23 फरवरी को होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में महानगर व्यापार प्रतिनिधि मंडल एवं देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की ने भी लोजमो संयोजक सुभाष सैनी को अपना समर्थन देकर प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का भरोसा दिलाया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार लोकतांत्रिक जनमोर्चा रुड़की के रुड़की जिला बनाने की मुहिम को लेकर महानगर व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने समर्थन किया है। मोर्चा संयोजक सुभाष सैनी ने बताया कि रुड़की जिला बनाने की दो दशक से शुरू की गई मुहिम को सभी वर्गों के साथ विशेष रूप से व्यापारियों का समर्थन अनवरत मिलता आ रहा है । व्यापारियों ने लोजमो रुड़की के आह्वान पर इस मांग के समर्थन में कई बार ष्रुड़की बंदष में भी अपनी दुकानें बंद करके आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेकर उसे सफल बनाया है । इसीलिए आज हर कोई चाहता है कि जितनी जल्दी हो रुड़की को जिले का स्टेटस मिले। उन्होंने कहा कि रुड़की जिला बनाने की मांग को लेकर 23 फरवरी को शहीद चंद्रशेखर चौक पर किए जाने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में विभिन्न संगठनों का समर्थन मिल चुका है। इसी कड़ी में आज प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुड़की ने भी समर्थन पत्र सौंपा है इसके साथ ही साथ देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की के पदाधिकारीयों ने भी मोर्चा संयोजक को समर्थन पत्र सौंपकर धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेने का विश्वास दिलाया है। इस मौके पर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महानगर अध्यक्ष अरविंद कश्यप, महानगर महामंत्री कमल चावला, प्रांतीय संगठन मंत्री प्रवीण मेहंदीरता ,युवा व्यापारी नेता ओम वाधवा, युवा नेता हेमंत जुल्का, विमल कुमार व शशांक वर्मा शामिल रहे जबकि देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की के अध्यक्ष विनोद सोनी, महामंत्री अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष अजय वर्मा, सचिव प्रमोद वर्मा, मोहित सोनी व अमित वर्मा शामिल रहे।

हरिओम सरस्वती कॉलेज के छात्रों ने देखी विधानसभा की कार्यवाही

विभागीय मंत्री से मिलकर खुश दिखाई दिए छात्र

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज धनौरी के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को देहरादून में विधानसभा की कार्यवाही देखी। पक्ष विपक्ष को वाद प्रतिवाद करते देखना छात्र-छात्राओं के लिए अलग तरह का अनुभव रहा। उच्च शिक्षा मंत्री से मिलकर छात्र छात्राएं खुश दिखाई दिए।

हरिओम सरस्वती पीजी कॉलेज धनौरी के राजनीति विज्ञान विभाग की ओर से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। संयोजक डॉ. निशा रानी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों का 20 सदस्य दल विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए देहरादून पहुंचा। छात्र छात्राओं ने दर्शक दीर्घा में बैठकर विधानसभा सत्र की कार्यवाही देखी। सत्र की कार्यवाही देखने के बाद भोजनावकाश में छात्र-छात्राओं ने उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात की। छात्र-छात्राओं ने विभागीय मंत्री को महाविद्यालय आने के लिए आमंत्रित किया। छात्र-छात्राओं ने खानपुर विधायक उमेश कुमार, धर्मपुर विधायक विनोद चमोली और पिरान कलियर के विधायक फुरकान अहमद, मंगलौर विध ायक काजी निजामुद्दीन और उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ एएस उनियाल से भी मुलाकात की। सूचना विभाग के उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को विधानसभा की कार्यवाही के बारे में अवगत कराया।इस अवसर पर डॉ. निशा रानी, डॉ अंजु शर्मा, डॉ भूपेंद्र सिंह, डॉ अंजलि राठौर आदि उपस्थित रहे।

एप्पल कंपनी ने मोबाइल की दुकानों पर मारे छापे

नागरिक ब्यूरो

रुड़की। सिविल लाइंस स्थित मोबाइल मार्केट में एप्पल कंपनी के द्वारा छापेमार कारवाई की गई। उन्हें यहां कम्पनी के नकली समान बेचे जाने की शिकायत मिली थी लेकिन कंपनी की कारवाई का व्यापारियों ने विरोध कर दिया और दुकानें बंद कर दीं वहीं व्यापार मंडल और मोबाइल एसोसिएशन के पदाधिकारी मौके पर एकत्र हो गए और कंपनी अधिकारियों से वार्ता की। जानकारी के अनुसार देर शाम एप्पल मोबाइल कंपनी के अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ रुड़की टॉकीज चौक से मुख्य डाकघर की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित मोबाइल मार्केट पहुंचे। यहां उन्होंने छापेमार कारवाई शुरू कर दी। कई दुकानों में एक साथ घुसे और मोबाइल पार्ट्स की जांच करने लगे। इस प्रकार से अचानक हुई कारवाई से मोबाइल व्यापारियों में हड़कंप मच गया। सभी मोबाइल व्यापारी एकत्र हुए और कंपनी अधिकारियों को दुकानों से बाहर करने के साथ दुकानें बंद कर दी। मोबाइल कंपनी के अधिकारियों का कहना था कि उन्हें शिकायत मिली है कि यहां दुकानों में उनकी कंपनी का नकली सामान बेचा जा रहा है तो उन्होंने छापेमार कारवाई की। वहीं व्यापारियों का कहना था कि जिस दुकान की शिकायत मिली उसमें ही कारवाई करनी चाहिए सब दुकानों में कारवाई का औचित्य नहीं है। वहीं इस दौरान व्यापार मंडल और मोबाइल एसोसिएशन के अधिकारी मौके पर पहुंच गए और पुलिस की मौजूदगी में कम्पनी अधिकारियों से वार्ता की। खबर लिखे जाने तक कारवाई जारी थी।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के उद्देश्यों पर हुई चर्चा

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई। इस बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को बेहतर तरीके से संचालित करने एवं इस कार्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा इस कार्यक्रम के मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी शक्ति, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस अभियान की जागरूकता को बढ़ाने एवं इसका लाभ पात्रों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की बेटियां जिस क्षेत्र में भी बेहतर कार्य कर रही हों, उनका चयन कर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत उनको पुरस्कृत करें एवं उनका उत्साहवध न किया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत अल्मोड़ा में आयोजित योगासन प्रतियोगिता के दौरान स्कूली छात्राओं ने अद्भुत सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। उन्हें भी इस कार्यक्रम के तहत सम्मानित एवं पुरस्कृत करें। जिलाधिकारी ने कहा कि खत्याड़ी में स्थलीय मंगलदीप विद्यामंदिर की बालिकाओं के लिए भी प्रोत्साहन कार्यक्रम किए जाएं एवं इन्हें सहायता दी जाए। महिला सुरक्षा एवं सम्मान के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी पीतांबर प्रसाद ने बैठक में योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इस अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में समिति के सदस्यों से सुझाव भी लिए, जिससे उन सुझावों पर कार्य योजना बनाकर उनका कार्यान्वयन किया जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आरसी पंत, बाल विकास समिति की सदस्या मीता उपाध्याय, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेंद्र सिंह समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शराब पीकर वाहन चलाते तीन पकड़े

पिथौरागढ़। सीमांत में शराब पीकर वाहन चलाने पर पुलिस ने तीन लोगों को पकड़ा। कोतवाल ललित मोहन जोशी के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान महेश कुमार शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़ा। बेरीनाग में थानाध्यक्ष महेश चन्द्र जोशी ने राजेश सिंह और जाजरदेवल में प्रभारी थाना प्रभारी शंकर सिंह रावत ने हिमांशु कफलिया को शराब पीकर वाहन चलाते पकड़ा। पुलिस ने तीनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वाहन सीज किया है।

वहीं डीडीहाट पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक व्यक्ति को पकड़ा। थानाध्यक्ष हरीश सिंह के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान हरीश सिंह कन्याल के पास से पुलिस को पांच लीटर कच्ची शराब बरामद हुई।

प्रशिक्षु सब रजिस्ट्रारों ने जिलाधिकारी से की भेंट

अल्मोड़ा। राजस्व एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान में प्रशिक्षु सब रजिस्ट्रारों का प्रशिक्षण चल रहा है। आज सभी प्रशिक्षुओं ने जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय से भेंट की। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक/भेंट में जिलाधिकारी ने सभी सब रजिस्ट्रारों को कहा कि व्यक्ति की सभी गतिविधियां भूमि से जुड़ी होती हैं। भूमि का हम सभी के जीवन में बहुत महत्व है। उन्होंने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि आप जिस पद पर हैं, वह पद भूमि के पंजीकरण एवं उसके उपयोग जैसी गतिविधियों से जुड़ा पद है। सरकार के राजस्व में पंजीकरण शुल्क का बड़ा हिस्सा शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करें। कहीं भी भूमि धोखाधड़ी जैसे मामले सामने न आए। इस कार्य को गहनता के साथ संपादित करें। उन्होंने कहा कि जमीन के फर्जी पंजीकरण, बंटवारे आदि को लेकर बहुत सारे मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन यदि हम अपना कार्य त्रुटिरहित एवं निष्पक्षता से करेंगे तो ऐसे मामले सामने नहीं आएंगे। उन्होंने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा अपने कार्य क्षेत्र में निष्ठा भाव से कार्य करने की बात कही। यहां कार्यकारी निदेशक राजस्व एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा चंदन सिंह डोबाल समेत अन्य उपस्थित रहे।

वड्डा में लोनिवि की भूमि पर कब्जा करने का आरोप

पिथौरागढ़। वड्डा के रहने वाले एक व्यक्ति ने क्षेत्र के ही एक अन्य पर लोनिवि की भूमि पर अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर भी की है। स्थानीय आकाश कुमार का कहना है कि वड्डा-झूलाघाट सड़क में लोनिवि की भूमि है। जिसमें एक व्यक्ति अवैध तरीके से कब्जा कर निर्माण कार्य करवा रहा है। उन्होंने इस संबंध में विभागीय अधिकारियों को भी कई बार सूचना दी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। उनका कहना है कि अगर सरकारी भूमि पर कोई निर्माण होना ही है, तो वड्डा में पार्किंग की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। वहां पार्किंग या जनहित से जुड़ी कोई सुविधा विकसित होनी चाहिए। मुख्यमंत्री से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

विधेयक के विरोध में अधिवक्ताओं का धरना दूसरे दिन भी रहा जारी

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। बार एसोसिएशन सितारगंज ने शुक्रवार को अधिवक्ता संशोधन विधेयक 2025 के खिलाफ सिविल न्यायालय परिसर में दूसरे दिन भी धरना देकर प्रदर्शन किया। अधिवक्ताओं ने विधेयक वापस लेने की मांग की। अधिवक्ता कार्य से विरत रहे। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष दयानंद सिंह के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने धरना दिया। वक्ताओं ने कहा कि संशोधन के जरिए अधिवक्ताओं के अधिकारों का हनन किया जा रहा है। इससे बड़े अपराधी व प्रभावशाली व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा लड़ने में संकोच करेंगे। चेतावनी दी कि संशोधन विधेयक वापस होने तक आंदोलन किया जाएगा। इधर अधिवक्ताओं का एक शिष्टमंडल बार काउंसिल के पदाधिकारियों से मिलने नैनीताल गया है। यहां हरीश शर्मा, रमेश गुप्ता, एसके सिंह, मो. हनीफ, अमित रस्तोगी, जावेद अख्तर, फरमान अहमद, फहीम पटौदी, सरिता, विश्वजीत राय, मनोरमा गुप्ता, रमेशकांत प्रभाकर, प्रकाश चंद्र ढाली, फैसल मलिक, रजनीश, तुषार, अफसर अली, राधेश्याम शर्मा, रवि सक्सेना मौजूद रहे।

वहीं बार एसोसिएशन ने अधिवक्ता संशोधन बिल 2025 को लेकर आक्रोशित अधिवक्ताओं ने कार्यबहिष्कार किया। शुक्रवार को अधिवक्ताओं ने बैठक कर पिथौरागढ़ बार एसोसिएशन की ओर से पारित प्रस्ताव का समर्थन किया। एक्ट के विरोध में अधिवक्ताओं ने कार्यबहिष्कार किया।

हक की बात अभियान के तहत विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। उत्तराखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों पर असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए विश्व सामाजिक न्याय दिवस के उपलक्ष्य में 20 से 26 फरवरी तक हक की बात विशेष अभियान आयोजित किया जा रहा है। शिविरों का समापन नालसा थीम गीत के साथ हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अल्मोड़ा शचि शर्मा द्वारा शुक्रवार को ग्राम बूंगा, ग्राम सलना एवं ग्राम विद्यापुर द्वाराहाट में श्रमिकों और बच्चों के मध्य विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों की शुरुआत नालसा थीम गीत एक मुठ्ठी आसमान से की गई। इसमें उपस्थित लोगों को बाल सहायता हेल्पलाइन नंबर 1098, अच्छा स्पर्श-बुरा स्पर्श, नालसा (असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए कानूनी सेवाएं) योजना 2015, निःशुल्क कानूनी सहायता, लोक अदालत के लाभ, कार्यस्थल सुरक्षा अधिनियम, डिजिटल अपराध, सरकार की श्रम और समाज कल्याण विभाग की योजनाओं, यातायात नियम, नालसा के निःशुल्क हेल्पलाइन नंबर 15100, निशुल्क विधिक सहायता प्रक्रिया, मौलिक अधिकार-कर्तव्य, भारतीय ध्वज संहिता 2002, राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण अधिनियम 1971, लैंगिक पहचान और अधिकार, तथा आगामी 8 मार्च, 2025 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत से संबंधित जानकारी दी गई। शिविरों का समापन नालसा थीम गीत के साथ हुआ।

शिविरों में ग्राम प्रधान, अधिकार मित्र ममता नेगी, कमला उपाध्याय, किरन रावत, भावना आर्या आदि उपस्थित रहे एवं राष्ट्रीय लोक अदालत व कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित पुस्तिकाएं भी वितरित की गईं।

पुलिस ने खोया मोबाइल ढूंढा

पिथौरागढ़। नगर में पुलिस ने खोया मोबाइल ढूंढकर एक युवती को सौंपा। शुक्रवार को पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक कासनी निवासी योगिता ने कोतवाली में सूचना दी कि उनका मोबाइल सिल्थाम, गांधी चौक में कहीं गिर गया है। कोतवाल ललित मोहन जोशी ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए खोजबीन कर मोबाइल युवती के सुपुर्द किया। युवती ने मोबाइल वापस मिलने पर पुलिस का आभार जताया है। यहां कांस्टेबल लता कोरंगा, विमला भण्डारी आदि मौजूद रहे।

वहीं मूनाकोट विकासखंड के बिस्खोली भटेडीघ्ड स्थित ब्रायलर फार्म की पशुपालन विभाग ने जांच की। शुक्रवार को सीवीओ डॉ. योगेश कुमार शर्मा और उपमुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. लाल सिंह सामंत फार्म पहुंचे।

पिथौरागढ़ ने जीती मल्लिकार्जुन क्रिकेट प्रतियोगिता ट्रॉफी

संवाद सहयोगी

पिथौरागढ़। मल्लिकार्जुन क्रिकेट प्रतियोगिता की भव्या इलेवन पिथौरागढ़ की टीम विजेता बनी है। फाइनल मुकाबला में अन्ना इलेवन कनालीछीना को सात विकेट से मात दी। नगर के आईटीआई मैदान में खेले गए प्रतियोगिता का शुभारंभ मुख्य अतिथि दर्जा राज्यमंत्री गणेश भण्डारी ने किया। घ्स दौरान उन्होंने सीमांत क्षेत्र में ऐसे भव्य खेल आयोजन के लिए आयोजक मण्डल की सराहना की। बाद में उन्होंने दोनों टीमों के खिलाड़ियों का परिचय लेकर मुकाबला शुरू कराया। पहले खेलते हुए कनालीछीना ने देवेन्द्र के 46 और केडी के 24 रनों की मदद से निर्धारित 15 ओवरों में 146 रन बनाए। पिथौरागढ़ के गौरव और जीवन ने तीन-तीन विकेट झटके। जवाब में पिथौरागढ़ ने 11वें ओवर में ही तीन विकेट खोकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। हिमालय के 74 और ईश्वर के 28 रनों की पारी खेली। मुख्य अतिथि ने विजेता टीम को चौम्पियन ट्रॉफी के साथ 75 हजार और उपविजेता टीम को रनर अप ट्राफी व 50 हजार नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। मैन ऑफ द मैच कनालीछीना के देवेन्द्र और मैन ऑफ द सीरीज पिथौरागढ़ के हिमालय के नाम रहा। आयोजक नवीन ने प्रतियोगिता के संपन्न होने पर सभी का आभार जताया।

बजट सत्र में गैरसैण की उपेक्षा दुर्भाग्यपूर्ण : कुंजवाल

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं जागेश्वर विधायक गोविंद सिंह कुंजवाल ने शुक्रवार को अल्मोड़ा में पत्रकार वार्ता कर गैरसैण को स्थाई राजधानी न बनाने और बजट सत्र में गैरसैंण की अवहेलना पर गहरा दुख व्यक्त किया।

जानकारी के अनुसार पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं जागेश्वर विधायक गोविंद सिंह कुंजवाल ने शुक्रवार को अल्मोड़ा में पत्रकार वार्ता की। उन्होंने कहा कि बजट सत्र से पूर्व राज्यपाल के अभिभाषण में पर्वतीय क्षेत्र की उपेक्षा की गई, जो कि निराशाजनक है। कुंजवाल ने कहा, राज्य सरकार द्वारा पर्वतीय क्षेत्र की जो उपेक्षा की जा रही है, वह चिंताजनक है। सरकार ने पलायन आयोग का गठन किया है, फिर भी पलायन पर कोई रोक नहीं लग पाई है। उत्तराखंड में शिक्षा और स्वास्थ्य ये दोनों ही प्रमुख मुद्दे हैं, जिनकी स्थिति अत्यंत खराब है, जिससे पलायन बढ़ रहा है। उन्होंने आगे कहा कि पलायन के कारण गांवों में खेती नहीं हो रही है और खेत बंजर हो गए हैं। इससे बरसात का पानी जमीन में नहीं जा रहा है और जल स्रोत सूख रहे हैं। कुंजवाल ने यह भी कहा कि सरकार ने ग्रीष्मकालीन राजधानी के रूप में गैरसैंण को घोषित किया था और कहा था कि यहाँ चार महीने तक ग्रीष्मकालीन सत्र चलेगा। लेकिन ना ही गैरसैण में ग्रीष्मकालीन सत्र चला और साथ ही बजट सत्र जैसे महत्वपूर्ण सत्र का आयोजन देहरादून में करना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। यहां प्रेस वार्ता में कांग्रेस जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष राधा बिष्ट, महानगर अध्यक्ष ताराचंद जोशी, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष दीपक कुमार, जिला प्रवक्ता निर्मल रावत आदि उपस्थित रहे।

सीएम ने प्रगतिशील किसानों को किया सम्मानित

रुद्रपुर। जीबी पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित एग्रीकल्चर साइंस कॉन्फ्रेंस एवं प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने और बेहतर उत्पादन करने वाले किसानों को पुरस्कृत किया। इनमें प्रतापपुर खटीमा के राजपाल सिंह व लखविन्दर सिंह, खराना सितारगंज के सुरेश राणा, सोनपहर खटीमा के अमृतपाल सिंह, देवलातल्ला हल्द्वानी के नरेन्द्र मेहरा और बघौरी सितारगंज की पवित्रा देवी को सम्मानित किया गया। इस दौरान किसानों ने अपनी उपलब्धियों और चुनौतियों को साझा किया, जिससे नीति-निर्माण में मदद मिल सके।

एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि ने किया अल्मोड़ा परिसर का निरीक्षण

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। एशियन डेवलपमेंट बैंक के प्रतिनिधि नरेन्द्र कुमार चांडिल्य ने सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय के अल्मोड़ा परिसर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परिसर की मूलभूत आवश्यकताओं, विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर लैब आदि का जायजा लिया। उन्होंने परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट से संबंधित जानकारी प्राप्त की।

परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट ने बताया कि नरेन्द्र कुमार के निरीक्षण का उद्देश्य परिसर को मॉडल कॉलेज के रूप में विकसित करने की संभावनाओं का मूल्यांकन करना था। यदि भविष्य में एडीबी की ग्रांट प्राप्त होती है, तो इससे संरचनात्मक विकास संभव होगा। निरीक्षण के दौरान प्रयोगशालाओं, विभागों, भवनों एवं कक्षों की स्थिति, मूलभूत संसाधनों की आवश्यकताएँ, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की स्थिति और छात्रों की संख्या पर विस्तार से चर्चा हुई। निरीक्षण के दौरान परीक्षा नियंत्रक डॉ. नंदन सिंह बिष्ट ने परीक्षा एवं विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी दी, जबकि कुलानुशासक डॉ. दीपक ने परिसर में प्रवेश लिए विद्यार्थियों की स्थिति पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय/परिसर की स्थापना, कक्षाओं एवं कक्षों की उपलब्धता, विद्यार्थियों से जुड़े आँकड़े, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की स्थिति, प्लेसमेंट कमेटी, नवीन शिक्षा नीति के तहत संचालित पाठ्यक्रमों का क्रियान्वयन, स्किल डेवलपमेंट कोर्स, 12ठ स्टेटस, कॉलेज मान्यता, सरकारी एवं अन्य स्रोतों से मिलने वाली ग्रांट, बी-वोक कोर्स संचालन, विद्यार्थियों की शुल्क स्थिति, छात्रवृत्तियाँ एवं नवीन पाठ्यक्रमों की संभावनाओं पर गहन चर्चा की गई। नरेन्द्र कुमार ने निरीक्षण के दौरान जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल, भौतिक विज्ञान, कंप्यूटर लैब, एवं रसायन विज्ञान विभागों का अवलोकन किया। विभागाध्यक्षों ने अपने-अपने विभागों की स्थिति एवं आवश्यकताओं की जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान विभागाध्यक्ष, विवि मीडिया प्रभारी डॉ. ललित चंद्र जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी देवेंद्र सिंह धामी, पूरन कनवाल एवं गणेश तिवारी भी उपस्थित रहे।

अल्मोड़ा विधायक ने वन मंत्री और तकनीकी शिक्षा मंत्री को सौंपा पत्र

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने उत्तराखंड सरकार के वन मंत्री को पत्र सौंपकर सिमतोला इको पार्क के विकास और सौंदर्यीकरण की मांग की। यह पार्क 2010 में अस्तित्व में आया था और 64 एकड़ आरक्षित वन भूमि में फैला हुआ है। पहले यहां प्रतिदिन 2000 से अधिक पर्यटक आते थे, लेकिन सुविधाओं के अभाव में उनकी संख्या घट गई है। वर्तमान में पार्क जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, जिसके पुनर्विकास के लिए 1444.39 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अल्मोड़ा विधायक मनोज तिवारी ने उत्तराखंड सरकार के वन मंत्री को पत्र सौंपकर सिमतोला इको पार्क के विकास और सौंदर्यीकरण की मांग की। विधायक ने इस योजना को स्वीकृति देने का अनुरोध किया। इसके अलावा, विधायक ने तकनीकी शिक्षा मंत्री को पत्र देकर विकासखंड भैसियाछाना के शहीद मेजर कमलेश पांडे राजकीय पॉलिटेक्निक, बाड़ेछीना में दो नए ट्रेडख्र कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग शुरू करने की मांग की। यह संस्थान 2014 में स्थापित हुआ था और वर्तमान में इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग के डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। स्थानीय युवाओं की रुचि और तकनीकी क्षेत्र में बढ़ते रोजगार को देखते हुए नए ट्रेड प्रारंभ करने का अनुरोध किया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं सम्पादक **एम हसीन** द्वारा परम नागरिक प्रकाशन, 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) के लिए ए के प्रिंटर्स खान मार्केट शहाबुद्दीनपुर रोड लद्धावाला, मुजरफ्फरनगर से मुद्रित एवं 449 (254) शेखपुरी, रुड़की-247667 जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित। सम्पर्क : 9997178556 ई-मेल : paramnagrik2013@gmail.com, hasin.m1@gmail.com
सभी वादों का न्याय क्षेत्र रुड़की ही मान्य होगा। प्रकाशित समाचार सामग्री का प्रेस से कोई सम्बंध नहीं है।

वनों को आग से बचाने के लिए ग्रामीणों को दिए सुझाव

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। रनसाली रेंज के अंतर्गत रनसाली अनुभाग की टूटी चौकी में गुरुवार को वनाग्नि रोकथाम के लिए ब्लॉक स्तरीय समिति की कार्यशाला में वनों को आग से बचाने के लिए ग्रामीणों को सुझाव दिए गए। वहीं गोष्ठी में वनों को आग से बचाए जाने का संकल्प लिया गया। पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह राणा ने वनों के महत्व की जानकारी देते हुए ग्लोवल वार्मिंग पर चर्चा की। उन्होंने वनों व वन्य जीवों को बचाने के लिए जंगलों को आग से बचाने की मुहिम में हर व्यक्ति से अपने कर्तव्यों का पालन करने की अपील की। कहा कि जन सहभागिता के बिना जंगलों को आग से नहीं बचाया जा सकता है। अपनी भावी पीढ़ी के लिए जंगलों को सुरक्षित रखने का आह्वान भी किया। एसडीओ संतोष पंत ने कहा कि बारिश नहीं होने से जंगलों में आर्द्रता कम हो गई है। इस कारण इस वर्ष जंगलों को बचाने के लिए बेहद सतर्कता की जरूरत है। वन क्षेत्राधिकारी महेंद्र सिंह रैकुनी ने कहा कि जंगलों को बचाने के लिए आम आदमी को आगे आना होगा। दक्षिणी जौलासाल रेंजर महेश जोशी ने कहा कि बिना जन सहयोग के किसी भी प्रकार से जंगलों को नहीं बचाया जा सकता है। इस दौरान ग्रामीणों और महिलाओं के साथ आग बुझाने के लिए मॉकड्रिल भी की गयी।

वहीं स्कॉलर एकेडमी की ओर यातायात पुलिस में तैनात कर्मियों को सम्मानित किया गया। शुक्रवार को विद्यालय के प्रधानाचार्य जग ज्योति जोशी ने ट्रैफिक इंस्पेक्टर अयूब अली, कांस्टेबल भुवन राय, रमेश प्रसाद,कांस्टेबल अर्जुन को प्रशंसा पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। सम्मान मिलने के बाद पुलिस कर्मियों ने आभार जताया।

खटीमा में वन कर्मियों ने लकड़ी लदा ट्रक पकड़ा

रुद्रपुर। वन विभाग ने शुक्रवार को चांदा रोड से लकड़ी से लदे एक ट्रक को पकड़ा। विभाग लकड़ी की जांच कर रहा है। लकड़ी अवैध पाई जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। शुक्रवार को वन कर्मियों ने लकड़ी लदा ट्रक पकड़ा। रात के अंधेरे में लकड़ी लेकर जाता ट्रक रोड के किनारे फंस गया। सुबह से ही ट्रक को हाइड्रा की मदद से निकालने के इंतजाम किए जा रहे थे। ग्रामीणों ने वन विभाग को सूचना दी तो मौके पर पहुंची विभाग की टीम ने लकड़ी से भरे ट्रक को कब्जे में ले लिया। मौके पर पहुंचे वन दरोगा अजमत खान, धन सिंह अधिकारी सहित कर्मचारी पहुंचे। डीएफओ हिमांशु बागरी ने बताया कि लकड़ी निगम की टाल से खरीदी गई बताई जा रही है।

खटीमा में सीएम के कार्यक्रम की तैयारियां जोरों पर

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक नगर पालिका सभागार में हुई। इसमें 25 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के खटीमा आगमन पर उनके नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। शुक्रवार को बैठक में पालिकाध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने कहा कि 25 फरवरी को दोपहर दो बजे मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भव्य नागरिक अभिनंदन कार्यक्रम थारू राजकीय इंटर कॉलेज में संपन्न होगा। मुख्यमंत्री धामी के गृह क्षेत्र में भाजपा की नगर पालिका चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत के लिए नगर की जनता की ओर से मुख्यमंत्री धामी का धन्यवाद अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। अभिनंदन कार्यक्रम में निर्वाचित सभासद व पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। पालिकाध्यक्ष जोशी ने लोगों से भारी संख्या में अभिनंदन समारोह में पहुंचकर मुख्यमंत्री धामी का आभार जताने की अपील की। बैठक में पूर्व जिला पंचायत सदस्य किशन सिंह किन्ना, मोहनी पोखरिया, मनोज वाधवा, दीपक तिवारी, नीलू गुप्ता, विनीत सक्सेना, अनीता ज्याला, अनुपमा शर्मा, भुवन जोशी, किशोर जोशी, कामिल खान, जानकी गोस्वामी, गोकुल ओली, प्रकाश शर्मा, महेश राणा, रमेश जोशी, कुंदन बोरा, रामू भारती, तारिक मालिक, राजू कुरैशी, बॉबी ढींगरा, प्रदीप गुप्ता, सूरज धामी, विजय, राहुल सक्सेना, राजनाथ मौर्य, गोविंद ठुकराठी आदि मौजूद थे।

वहीं थलीसैंण के राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय नौड़ी की ओर से टीबी उन्मूलन के लिए निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान चिकित्सक ने ग्रामीणों को क्षयरोग, उसके उपचार, निक्षय मित्र योजना सहित अन्य जानकारियों प्रदान की। शिविर में नौड़ी, अंताखोली, पयासी, गुलियारी सहित कई गांवों के 40 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सीओ ने बनबसा थाने का निरीक्षण किया

चम्पावत। सीओ शिवराज सिंह राणा ने गुरुवार को बनबसा थाने का अर्द्धवार्षिक निरीक्षण किया। उन्होंने कर्मचारियों को उपकरणों को 24 घंटे तैयार रखने और थाना परिसर में सफाई रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कर्मचारियों को शस्त्रों को खोलने-जोड़ने का अभ्यास और बलवा ड्रिल कराई। बाद में सीओ ने कार्यालय अभिलेख, मालखाना, शस्त्रागार, आपदा उपकरण, दंगा नियत्रण शस्त्र, टियर गैस, सीसीटीएनएस, लावारिस मालों वाहनों, मैस, बैरक आदि का निरीक्षण किया।

वहीं मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने केन्द्रीय बजट को जन विरोधी बताते हुए प्रदर्शन किया। वैकल्पिक बजट प्रस्तावों को वित विधेयकों में शामिल करने की मांग की।

रोडवेज वर्कशॉप में दुर्घटना मृतक के आश्रितों को मुआवजा

संवाद सहयोगी

अल्मोड़ा। जिला मजिस्ट्रेट आलोक कुमार पाण्डेय ने बताया कि विगत 18 जुलाई, 2024 को तहसील अल्मोड़ा अन्तर्गत परिवहन निगम कार्यशाला, अल्मोड़ा में परिवहन डिपो बागेश्वर की बस संख्या यू.के 07 पीए 4449 में श्रमिक के रूप में कार्यरत विकास कुमार को वाहन से टक्कर लगने से मौके पर ही मृत्यु हो गयी। उन्होंने बताया कि वाहन सार्वजनिक सेवायान के श्रेणी में होने के दृष्टिगत एवं उप जिला मजिस्ट्रेट सदर की संस्तुति के आधार पर उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि नियमावली, 2022 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत उत्तराखण्ड सड़क परिवहन दुर्घटना राहत निधि, अल्मोड़ा के नाम संचालित खाते से धनराशि दो लाख रूपये का चौक तहसीलदार सदर अल्मोड़ा के पद नाम से निर्गत कर वाहन दुर्घटना के मृतकों के विधिक आश्रितों को नियमानुसार वितरित करवाये जाने तथा प्राप्ति रसीद (दो प्रतियॉ मूल में) एक पक्ष के अन्दर जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेंगे।

वहीं अस्कोट के भागीचौरा-पश्मा तल्लाबगड़ स्थित निर्माणाधीन सड़क में बीते रोज मारे गए पोकलैंड चालक का यहां पोस्टमार्टम हुआ। गुरुवार को महात्मा गांधी स्थिति पोस्टमार्टम हाउस में शव का चिकित्सकों की टीम ने पोस्टमार्टम किया। जिसके बाद पुलिस ने शव परिजनों को सौंप दिया। बता दें कि पहाड़ कटिंग के दौरान बीते रोज चमोली जिले के नारंगी घाट निवासी पोकलैंड चालक कमलेश रतूड़ी (20) पुत्र हीरामणी रतूड़ी के ऊपर एकाएक भारी मात्रा में मलबे का ढेर और बोल्डर गिर गए। इससे चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने बोल्डर काटकर किसी तरह शव निकाला।

74 हजार का बिल संशोधित कर 42 हजार किया

संवाद सहयोगी

बागेश्वर। लंबी लड़ाई के बाद आखिरकार कमस्यार के बिजली उपभोक्ताओं की समस्या ऊर्जा निगम ने सुनी। शिविर लगाकर बढ़े हुए बिलों को संशोधित किया। साथ ही 70 हजार की वसूली भी विभाग ने की है। सबसे अधिक बढ़े 74 हजार के बिल को संशोधित कर 42 हजार किया। इतना ही नहीं बिल जमा करने के लिए किस्त भी बांधी है।

मालूम हो कि कमस्यार क्षेत्र में ऊर्जा निगम ने लोगों को भारी भरकम बिल थमा दिए। इसमें 25 हजार से लेकर 74 हजार रुपये तक के बिल शामिल थे। जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने ऊर्जा निगम को शिविर लगाकर समस्या के समाधान के निर्देश दिए। इसके बाद निगम ने गुरुवार को इंटर कॉलेज देवतोली में शिविर लगाया। ठांगा गांव निवासी विमला देवी ने अधिकारियों को अपनी पीड़ा बताई। कहा कि उसे 74 हजार का बिल मिला है। उसे संशोधित कर 42 हजार का कर दिया गया हैं। दयनीय स्थिति को देखते हुए किश्तें तय कर दी हैं। उपभोक्ता ने चेक मीटर के लिए भी आवेदन किया है। पूरन राम ठांगा वालों का बिल 68 हजार रुपये था, जिसे 32 कर दिया गया। दीवानी राम देवलेत वालों का बिल 26 हजार रुपये था, उसे ठीक कर 11 हजार कर दिया है। शिविर में कई लोगों की समस्याओं का समाधान हुआ। ऊर्जा निगम ने 70 हजार से अधिक की वसूली भी की। खराब मीटरों के लिए आवेदन करने की बजाए 1912 टॉल फ्री नंबर पर काल करके ही मीटर बदला जाता है। इस मौके पर जेई मदन मोहन जोशी, विभागीय कर्मचारी पंकज रौतेला, उमेश पंत मौजूद रहे। इस मौके पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य सतीश उप्रेती, भूतपूर्व सैनिक हरीश डसीला, भास्कर कुमार, महेश रौतेला, कुंदन रावत, अजय उप्रेती, मनोहर सिंह रौतेला, नदंन सिघ्ह रौतेला, यशपाल रौतेला मौजूद रहे। गुरुवार को इंटर कॉलेज देवतोली में शिविर आयोजित किया। इसमें लोगों बिजली के बिलों की समस्या का समाधान हुआ। 22 से 25 समस्याएं दर्ज हुईं। उपभोक्ताओं की समस्या और नंबर ले लिए हैं। जल्द समस्या का समाधान होगा। 70 हजार रुपये की वसूली भी विभाग ने की है।

वहीं राज्य, केंद्रित आपदाओं पर लोगों को जागरूक करने के लिए मोबाइल वैन जिले में रहेगी। 24 फरवरी तक जिले के विभिन्न स्थानों पर जाएगी।आपदा से संबंधित ऑडियो-वीडियो, प्रचार सामग्री, प्रश्नोत्तरी, खेल एवं अन्य क्रियाकलापों व लाइव वार्ता होगी। इस माध्यम से राज्य केंद्रित आपदाओं जैसे भू-स्खलन, भूकंप व जंगल की आग के बारे में लोगों को जागरूक करेगा। अपर जिलाधिकारी एनएस नबियाल ने बताया कि प्रचार वाहन गुरुवार को कपकोट व शामा क्षेत्र में प्रचार-प्रसार करने के साथ ही 21 फरवरी को गरुड़, कौसानी व बैजनाथ क्षेत्र में लोगों को जागरूक करेगा। 22 फरवरी को कांडा, कांडा पड़ाव व विजयपुर, 23 फरवरी को काफलीगैर व कठपुड़ियाछीना तथा 24 फरवरी को नदीगांव, अमसरकोट, बिजोरी, क्वैराली व सातरतवे में लोगों को जागरूक किया जाएगा। उन्होंने ने सभी अधिकारी को निर्धारित रूट मैप के अनुसार यथोचित आवश्यक सहयोग प्रदान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

मामा के घर से भांजी हुई लापता, गुमशुदगी दर्ज

रुद्रपुर। बीते 19 फरवरी को मामा के घर में रह रही भांजी घर में किसी को बिना बताए चली गई। मामा की तहरीर पर पुलिस ने किशोरी की गुमशुदगी की दर्ज कर ली है। वार्ड नंबर 29 निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उनकी 15 वर्षीय भांजी पिछले 1 साल से उनके साथ घर पर रह रही थी। बीते 19 फरवरी की सुबह बिना किसी लड़ाई-झगड़े के और बिना किसी को बताएं बिना घर से चली गई। उन्होंने इसकी काफी खोजबीन की लेकिन कुछ नहीं पता चला। पुलिस ने किशोरी की गुमशुदगी दर्ज कर ली है।

सितारगंज ब्लॉक में 3522 विद्यार्थियों ने दी परीक्षा

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। सितारगंज ब्लॉक के 20 परीक्षा केंद्रों में शुक्रवार को उत्तराखंड बोर्ड की इंटरमीडिएट की हिन्दी की परीक्षा संपन्न हुई। परीक्षा देने के बाद परीक्षार्थियों के चेहरे खिले हुए थे। हिन्दी की परीक्षा के लिए 3736 परीक्षार्थी पंजीकृत थे, जिसमें से 3522 ने परीक्षा दी। बीईओ भानुप्रताप कुशवाहा ने बताया कि नकलविहीन परीक्षा के लिए पर्याप्त तैयारियां हैं। हाईस्कूल व इंटर के 21 परीक्षा केंद्र हैं। गोविंद बल्लभ पंत इंटर कॉलेज नानकमत्ता, गोल्डन पब्लिक स्कूल सिसौना, एसएस इंटर कॉलेज कुंवरपुर सिसैया, राजकीय हाईस्कूल सिसौना नए परीक्षा केंद्र बने हैं। सभी परीक्षा केंद्रों में एक केंद्र व्यवस्थापक, एक कस्टोडियन नियुक्त किया गया है। चार परीक्षा केंद्र श्रीमती खीमा जोशी मेमोरियल इंटर कॉलेज, गुरुनानक इंटर कॉलेज नानकमत्ता, गोविंद बल्लभ पंत इंटर कॉलेज नानकमत्ता और ब्राइट इंटर कॉलेज सिसईखेड़ा में पर्यवेक्षकों की तैनाती भी की गई है। 431 कक्ष निरीक्षकों की तैनाती की गयी है। शुक्रवार को इंटर बोर्ड की परीक्षा नकलविहीन संपन्न हुई।

नवाचार एवं उद्यमिता पर छात्रों को दिये टिप्स-गढ़वाल विवि के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) ने रेनबो पब्लिक स्कूल में गुरुवार को छात्रों को नवाचार एवं उद्यमिता की जानकारी देने के लिए एक स्कूल आउटरीच प्रोग्राम का आयोजन किया। आईआईसी के प्रेसिडेंट डॉ. राम साहू ने विद्यार्थियों को नवाचार, अटल टिंकरिंग लैब तथा उद्यमिता के बारे में आधारभूत जानकारी दी। विवि में सूक्ष्म जैविकी विभाग के डॉ विनीत कुमार मौर्य ने विद्यार्थियों को हिमालयी क्षेत्र में सूक्ष्म जैविकी को लेकर नवाचार की बहुत संभावनाएं हैं। कार्यक्रम के आयोजन पर आईआईसी ने प्रधानाचार्या डॉ. रेखा उनियाल आभार जताया।

गंदगी फैलाने पर दुकानदारों के काटे चालान

संवाद सहयोगी

रुद्रपुर। नगरपालिका प्रशासन ने नगर में भ्रमण कर गंदगी फैला रहे दुकानदारों का चालान काटा। ईओ प्रतिभा कोहली के नेतृत्व में पालिका प्रशासन ने किच्छा मार्ग, खटीमा मार्ग, मीना बाजार रोड में फड़, ठेला व पक्के दुकानदारों के यहां चेकिंग अभियान चलाया।

जानकारी के अनुसार नगरपालिका प्रशासन ने नगर में भ्रमण कर गंदगी फैला रहे दुकानदारों का चालान काटा। ईओ ने बताया कि दुकानदारों को नगर को स्वच्छ बनाने के लिए गंदगी नहीं फैलाने और कूड़ा पर्यावरण मित्र को देने के लिए जागरूक किया गया। उन्होंने नालों को अतिक्रमण मुक्त करने की अपील की, ताकि सफाई हो सके। यहां सफाई निरीक्षक सोविंद्र कुमार, कर निरीक्षक राजेश अरोरा, करन सिंह, राहुल, राजपाल शामिल रहे।

जल संस्थान से पेयजल टैंक की सफाई की मांग-नगर के चंडाक स्थित पेयजल टैंक का लोगों ने सफाई करने की मांग उठाई है। शुक्रवार को स्थानीय निवासी इंद्रनील सिंह, देवेन्द्र सिंह का कहना कि गर्मी का सीजन शुरू होने वाला है। लंबे समय से पेयजल टैंक की सफाई नहीं हुई है। उन्होंने जनहित को देखते हुए जल संस्थान से सफाई करने की अपील की है।

सीलिंग की भूमि खुर्द-बुर्द करने के मामले में जांच शुरु

संवाद सहयोगी

काशीपुर। सीतारामपुर में सीलिंग की भूमि गलत ढंग से बेचने के आरोपों को लेकर मंडलायुक्त ने जांच के आदेश दिए हैं। कमिश्नर के निर्देश पर जिलाधिकारी ने एसडीएम की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की है। आरोप पर जांच समिति पुराने रिकार्ड खंगालने में लगी है। गुरुवार को एसडीएम ने शिकायतकर्ताओं को कार्यालय बुलाकर उनका पक्ष सुना।

सीतारामपुर में करीब डेढ़ दशक पहले चकबंदी पूरी हुई। चकबंदी में करीब चार हेक्टेयर भूमि सीलिंग में निकाली गई, जिसको राज्य सरकार में निहित कर लिया गया। इस निर्णय को जमीन के खातेदारों ने न्यायालय में चुनौती दी थी। आरोप है कि सुनवाई के दौरान मूल खातेदारों ने यह जमीन टुकड़ों में बेच दी। मामला न्यायालय में विचारधीन होने के कारण इस भूमि पर किए गए बैनामों के दाखिल खारिज नहीं हो सके। जमीन बेचने का मामला संज्ञान में आने पर तत्कालीन डीएम ने जमीन को खुर्द-बुर्द करने का आदेश पारित कर दिया। बीते दिनों सात-आठ लोगों ने जनता दरबार में मंडलायुक्त को प्रार्थना पत्र दिया। कहा कि उन समेत दो सौ से अधिक लोगों से प्रापर्टी डीलरों से जमीन खरीदी है। बैनामे के बावजूद उनके दाखिल खारिज नहीं हो रहे हैं। इसमें से पौने चार एकड़ भूमि पर प्रधानमंत्री आवास योजना प्रस्तावित है। प्रथम दृष्टयता यह भूमि सीलिंग एक्ट से प्रभावित बताई गई है। खातेदारों ने लोगों को धोखे में रखकर जमीन के बैनामे किए हैं। मंडलायुक्त दीपक रावत के निर्देश पर जिलाधिकारी नितिन भदौरिया ने एसडीएम अभय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में जांच समिति गठित की है। एसडीएम ने बताया कि गुरुवार को शिकायतकर्ताओं ने पक्ष रखा है। मामला पुराने होने के कारण कलेक्ट्रेट से पत्रावलियां मगाई है। मामले की जांच जारी है।

एसएसबी ने पशुओं के साथ दो तस्कर दबोचे

संवाद सहयोगी

चम्पावत। बनबसा में एसएसबी की 57वीं वाहिनी ने पशुओं के साथ दो तस्करों को दबोचा है। गढ़ीगोठ चेकपोस्ट के पास एसएसबी ने यह कार्रवाई की। पुलिस ने दोनों पर एनसीआर के तहत मुकदमा दर्ज किया है।

जानकारी के अनुसार बनबसा में एसएसबी की 57वीं वाहिनी ने पशुओं के साथ दो तस्करों को दबोचा है। देर रात को एसएसबी के कार्यवाहक कमांडेंट मनोज कुमार की टीम ने गढ़ीगोठ के पास चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान वाहन संख्या यूके06 सीए0120 की तलाशी ली। वाहन में नेपाल से भारत से लाए जा रहे तीन भैंस और एक बछड़ा बरामद हुआ। पूछताछ में वाहन चालक ने अपना नाम नफीस अहमद और साथी का नाम राजा बताया। दोनों ने बताया कि वह इन पशुओं को नेपाल से खटीमा ले जा रहे थे। लेकिन उनके पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे। पुलिस ने दोनों आरोपी और वाहन को बनबसा पुलिस के सुपुर्द कर दिया। बनबसा थानाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह जगवाण ने बताया कि दोनों आरोपियों पर एनसीआर के तहत मुकदमा दर्ज किया है। एसएसबी टीम में निरीक्षक मुन्नी बाई, एसआई एमएच रहमान, संदीप, कमल सिंह, अल्ताफ हुसैन, मुकेश, अमित आदि रहे।

सम्पादकीय

परम नागरिक

शनिवार, 22 फरवरी, 2025

कांग्रेस संगठन में बदलाव

देश की सबसे पुरानी पार्टी में ताजा बदलाव हवा के ताजा झोंके की तरह है। कांग्रेस ने अपने संगठनात्मक बदलाव शुरू कर दिए हैं। 3 दिन पहले पार्टी ने 2 राज्यों के महासचिव और 9 के लिए प्रभारियों नियुक्त की है। खास बात है कि इस फैसले पर राहुल गांधी की छाप खास नजर आ रही है। बानगी के तौर पर युवाओं को मौका देने के साथ ही ओबीसी और अल्पसंख्यक समाज के नेताओं को भी तरजीह दी गई है। दरअसल, कांग्रेस फिलवक्त अपने सबसे चुनौतीपूर्ण और मुश्किल दौर में है। जब से पार्टी ने केंद्र की सत्ता गंवाई है उसके बाद से ही उसे खुद को साबित करने के लिए जूझना पड़ रहा है। कई अजीज और पार्टी की वर्षो से खिदमत करने वाले निष्ठुरता के साथ श्हाथ' को झटकते हुए धुर विरोधी सोच वाली पार्टी के खेवनहार बन गए। गौर करने वाली यह है कि किसी भी पार्टी के लिए सत्ता गंवाना उतना कष्टप्रद नहीं रहता जितना वफादार कार्यकर्ताओं का साथ छोड़ जाना। बहरहाल, कांग्रेस ने अनुभवी और परखे हुए नेताओं को जिम्मेदारी देने के साथ-साथ युवा चेहरों को खास तवज्जो दी है। साथ ही राहुल गांधी ने सामाजिक न्याय के एजेंडे को धार देने के लिए कांग्रेस के संगठन में भी सामाजिक न्याय की कवायद शुरू कर दी है। राहुल 2024 में संपन्न लोक सभा चुनाव के समय से ही सामाजिक न्याय की वकालत और इसे धार देने की कोशिश में जी-जान से जुड़े दिखते हैं। खासकर जाति जनगणना की मांग और पिछड़ों व दलितों की हिस्सेदारी को लेकर वो काफी मुखर रहे हैं। संगठन में बदलाव भी उनकी इसी सोच को परिलक्षित करता दिखता है। पार्टी संगठन में जिन 11 लोगों की नियुक्त हुई है, उसमें चार ओबीसी, दो दलित, एक आदिवासी और एक अल्पसंख्यक समाज से हैं, तीन सवर्ण वर्ग से हैं, जिनमें रजनी पाटिल, मीनाक्षी नटराजन और कृष्ण अल्लावरु हैं। साफ है कि राहुल अपनी सामाजिक न्याय की लड़ाई को विस्तार देने की जुगत में संजीदगी से लगे हैं। यह सब इस मायने में सही माना जाएगा कि नेता जो कहता है, उसे करता भी है। अभी तक कांग्रेस की राजनीति सवर्ण, दलित और अल्पसंख्यक समाज पर केंद्रित थी, जिसे भाजपा ने बेहद सफाई से अपने पाले में कर दिया। संगठन में बदलाव के बहाने अगर पार्टी के आत्मविश्वास में इजाफा होगा तो यह आने वाले दिनों में निःसंदेह सुकूनपरक होगा।

सर्वसमावेशी संस्कृति का प्रतीक महाकुंभ

गजेंद्र सिंह शेखावत

यदि आप भारत के गांव-कस्बों से गुजरें तो ऐसे असंख्य लोग मिल जाएंगे. जो प्रात: स्नान करते समय 'गंगे च यमुने चौव गोदावरी सरस्वती। नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् संनिधि कुरु' का मंत्रोच्चार कर रहे होंगे। इस मंत्र का अर्थ है- हे यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु, और कावेरी हमारे जल में उपस्थित होकर इसे पवित्र करो। स्नान के नित्यकर्म में राष्ट्र की सभी पवित्र नदियों का आह्वान यह बताता है कि भारतभूमि के लोगों की नदियों के प्रति कितनी गहरी श्रद्धा है।

विश्व की लगभग सभी सभ्यताओं का जन्म नदी तटों पर हुआ है, लेकिन भारत तो नदी संस्कृति का ही देश है। उत्तर में सिंधु से लेकर दक्षिण में कृष्णा-कावेरी तक और पूर्व में ब्रहमपुत्र से लेकर पश्चिम में नर्मदा तक भारत की ये पुण्य सलिलाएं अनंतकाल से कोटि-कोटि भारतवासियों के जीवन का उद्धार करती रही हैं। ये नदियां माँ की तरह ही हमारा भरण-पोषण करती हैं। हम जब भी समस्याओं में उलझे होते हैं तो इन नदी रूपी माताओं के निकट आकर शांति की तलाश करते हैं और अपनी इहलौकिक यात्रा को समाप्त कर पारलौकिक यात्रा के लिए भी इन्हीं नदियों की गोद में पहुंचते हैं। इन नदियों का न केवल हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक जीवन में विलक्षण महत्व है, अपितु ये सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा अन्य कई रूप से भी सहायक मानी जाती हैं।

यही कारण है कि हमारे धार्मिक ग्रंथों में नदियों को माता का दर्जा दिया गया है। ऋग्वेद के नदी सूक्त से लेकर आधुनिक साहित्य तक, नदियों की महिमा को व्यापक रूप से दर्शाया गया है। महाभारत, मत्स्य पुराण, ब्रह्म पुराण और कालिदास के ग्रंथों में भी नदियों की पवित्रता को रेखांकित किया गया है। कुंभ महापर्व, नदियों के महात्म्य का ही महापर्व है, जो विविधतता में एकता प्रदर्शित करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं का सबसे बड़ा पर्व है। यह महापर्व खगोल विज्ञान, आध्यात्मिकता, कर्मकांड की परंपराओं और सामाजिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान-विज्ञान की बहुवर्णीयता से सभी को आकर्षित करता है।

अथर्ववेद में उल्लेख मिलता है कि भगवान ब्रह्मा ने हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक चार कुंभ स्थापित किए, जिससे यह आयोजन पवित्र माना जाता है। स्कंद पुराण में कुंभ योग बताते हुए कहा गया है 'मेषराशिंगते जीवे मकरे चन्द्र भास्करी। अमावास्या तदा योग: कुम्भाख्यस्तीर्थनायके।। 'अर्थात' जिस समय बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो तथा चंद्रमा और सूर्य मकर राशि पर हों तो उस समय तीर्थराज प्रयाग में कुंभ-योग होता है।'

कुंभ का आयोजन समाज, धर्म और संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है। इसमें प्रमुख अखाड़ों के संत, महात्मा और नागा संन्यासी संसार के संपूर्ण कष्टों के निवारण हेतु तथा समाज, राष्ट्र, और धर्म आदि के

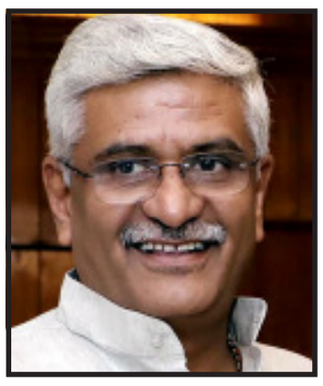

कल्याण के लिए अमूल्य दिव्य उपदेश प्रदान करते हैं। प्रयाग में कुंभ के तीन प्रमुख स्नान होते हैं। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी पर। इन तीनों स्नानों में सर्वप्रथम स्नान निर्वाणी अखाड़े का, द्वितीय स्नान निरंजनी अखाडे का और तृतीय स्नान जूना अखाड़े का होता है। इसके पश्चात् समस्त संप्रदाय के लोगों का होता है।

कुंभ-पर्व की प्राचीनता के संबंध में तो किसी संदेह कीआवश्यकता ही नहीं, किंतु यह बात अवश्य महत्त्वपूर्ण है कि कुंभ मेले का धार्मिक रूप में श्रीगणेश किसने किया ? विद्वानों ने यह सिद्ध किया है कि कुंभ मेले के प्रवर्तक आदि शंकराचार्य हैं। उन्होंने कुंभ-पर्व के प्रचार की व्यवस्था धार्मिक संस्कृति को सुदृढ़ रखने के लिए तथा जगत कल्याण की दृष्टि से की थी। उन्हीं के आदर्शानुसार आज भी कुंभपर्व के चारों सुप्रसिद्ध तीर्थों में सभी संप्रदाय के साधु-महात्मागण देश-काल-परिस्थिति अनुरूप लोककल्याण की दृष्टि से धर्म-रक्षार्थ धर्म का प्रचार करते हैं, जिससे सर्वजन कल्याण होता है।

कुंभ का इतिहास कान्यकुब्ज के शासक सम्राट हर्षवर्धन के साथ भी जुड़ा है। हर्षवर्धन कुंभ के अवसर पर प्रयाग में ही रहकर सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन करते और सभी मतावलंबियों के विचार सुनते थे। धार्मिक सहिष्णुता के साथ-साथ महाराज हर्षवर्धन इस अवसर पर अपनी दानशीलता का भी परिचय देते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा विवरण के अनुसार कुंभ में वह अपना सर्वस्व मुक्तहस्त से दान कर देते थे। सम्राट् हर्षवर्धन ने अपना समूचा कोष प्रयाग कुंभ के अवसर पर दान कर दिया। जब दान के लिए कुछ और शेष नहीं रहा, तब उन्होंने अपने वस्त्राभूषण तथा मुकुट तक उतार कर दे दिए। जब शरीर पर वस्त्र भी नहीं बचे तो उनकी बहन राज्यश्री ने उन्हें पहनने के लिए वस्त्र दिए। । महाराज हर्षवर्धन के त्याग और दान की यह प्रेरक परंपरा कुंभ में अब तक अक्षुण्ण चली आ रही है।

कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि इसका वैज्ञानिक और ज्योतिषीय पक्ष भी महत्त्वपूर्ण है। जब सूर्य मकर राशि में और गुरु कुंभ राशि में होते हैं, तब स्नान करने से व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। संगम के जल में प्राकृतिक खनिज और औषधीय गुण होते हैं, जिससे यह स्नान शरीर की शुद्धि का माध्यम बनता है।

करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद यहां आधुनिक तकनीक के प्रयोग और कुशल प्रबंधन ने कुंभ मेले को विश्व का सबसे बड़ा और व्यवस्थित आयोजन बना दिया है। स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का ऐसा संगम शायद ही कहीं और देखने को मिले। सरकार और प्रशासन ने इसे पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जिससे यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश भी देता है।

कुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और वैश्विक भाईचारे का प्रतीक भी है। यह 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को साकार करता है, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग से परे सभी श्रद्धालु एक समान होते हैं। यह पर्व हमें आत्मशुद्धि, परोपकार और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। कुंभ के माध्यम से भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलती है। विदेशी पर्यटक यहां भारतीय परंपराओं को समझने और आत्मसात करने आते हैं।

कुंभ मेला भारतीय संस्कृति की गहराई, सहिष्णुता और एकता का अद्भुत संगम है। यह केवल पवित्र स्नान का पर्व नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ रहस्यों को जानने, आत्मचिंतन करने और मानवता के प्रति समर्पण व्यक्त करने का एक अवसर भी है। भारत की सनातन परंपरा में यह आयोजन अनूठी आस्था, संस्कृति और दर्शन का परिचायक बना रहेगा

(लेखक, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री हैं।)

सोता रहा रेलवे, रोती रही आस्था

नितिनमोहन शर्मा

नइ दिल्ली स्टेशन पर बढ़ती बेतहाशा भीड़ का सीसीटीवी पर रेलवे के मौके पर मौजूद अफसरों को नजर नही आ रही थी? दिल्ली हादसे पर इंदौर के अखबार खबुलासा फर्स्ट द्वारा उठाया ये सवाल हादसे की जांच का मुख्य बिंदु बन गया हैं। ऐसे ही आज भी एक सवाल सबसे मोजू है कि 13 जनवरी यानी कुंभ के आगाज के साथ ही रेल के सफर के बुरे हाल मोदी सरकार के रेल मंत्रालय को नजर नही आ रहें थे? रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव स्टेशनों व प्लेटफॉर्म पर पसरी अराजकता से अंजान थे? डिब्बों में तोडफोड़ करने के समाचार व दृश्य से मंत्री महोदय बेखब्बर क्यो बने रहें? महिनों पहले महंगे टिकट रिजर्वेशन कर कुंभ नगरी जाने वाले लाखों लोगों के बुरे हाल पर भी भारत सरकार का रेल मंत्रालय क्यो चेन की नींद सोता रहा? अब अगर विपक्ष रेल मंत्री का इस्तीफा मांग रहा है तो वह राजनीति का विषय कैसे हो गया? ये तो शुद्ध आस्था का विषय है कि रेलवे मंत्रालय, रेल मंत्री सोते रहे और आस्था रोती रही। दबती रही, कुचलती रही, दम तोड़ती रही। श आस्थावान सरकारश, आस्था के प्रति इस बेफिक्री पर मंत्री को दंड देगी? या मंत्री महोदय के मानस में व्याप्त नैतिकता उन्हें झकझोरेगी? जिन्होंने रेल मंत्रालय की परिधि में अपनों को खोया, वे ही नही...देश की इस पर नजरें हैं।

महाकुंभ तक आने जाने के लिए रेल से सफर के जो नजारे देश-दुनिया देख रही थी, वो क्या रेल मंत्रालय को नजर नही आ रही थी? कांच फोड़ते, खिडकी तोड़ते, इंजिन में घुसते, डिब्बों में दबते, स्टेशनों पर कुचलते लोग क्या रेलवे के अफसरों को नही दिख रहें थे? जब से कुंभ का शुभारंभ हुआ, रेल के सफर के बुरे हाल दृश्य श्रव्य माध्यमों पर सरेआम दिखाए जा रहें थे, बावजूद इसके रेलवे के जिम्मेदार सोते रहे और निर्दोष आस्था रोने बिलखने को मजबूर होती रहीं। आखिर रेलवे मंत्रालय की जवाबदेही क्यो तय नही होती? जिम्मेदार अफसर अब तक दंड के दायरे से क्यो बाहर हैं? जो व्यवस्था दिल्ली में हादसे के दूसरे दिन यानी रविवार को हुई, वह शनिवार को क्यो नही हो पाई? इसका जवाब हैं क्या किसी के पास?

क्या केवल स्पेशल ट्रेन चला भर देने से रेलवे की इतने बड़े आस्था के उत्सव के लिए काफी था? रेल वाले स्पेशल ट्रेनों के आंकड़े गिना रहें हैं लेकिन इन स्पेशल ट्रेनों में सफर कैसे हो रहा हैं, इस पर किसी का ध्यान क्यो नही गया? 13 जनवरी से रेल के सफर के बुरे हाल सब तरफ चर्चा में थे। बावजूद इसके रेल मंत्रालय क्या करता रहा? ये सवाल विपक्ष का ही नही, जन जन का हैं। जवाब देना ही पड़ेगा। अन्यथा ये माना जायेगा कि रेल मंत्रालय ने ही आस्था से अभिभूत जनसामान्य को मरने के लिए छोड़ा था।

रिजर्वेशन क्लास के डिब्बो में जिस तरह से अराजकता पसर रही थी, वह वक्त रहते क्यो नही थामी गई? लोगों में एसी कोच तक को नही बखश्शा। उसके हाल भी जनरल डिब्बे से बदतर कर दिये। दरवाजों को ल मार कर तोड़ा जा रहा था। एसी कोच के कांच फोड़े जा रहें थे। एक डिब्बे में एक हजार यात्रियों के घुसने, दबने के नजारे क्या सिफर्ऽ देश ही देख रहा था? मोदी सरकार का रेल मंत्रालय इस सबसे बेखबर था? अगर नही था तो फिर ये सीधे जिम्मेदारी रेल मंत्री महोदय की नही बनती क्या?

प्रयागराज आने जाने वाले तमाम रेलवे स्टेशनों पर एक जैसे हालत थे। फिर चाहे वह सतना हो या पटना या फिर दिल्ली हो या भोपाल। हजारों की भीड़ हर स्टेशनों पर पहुँच रही थी लेकिन वह भगवान भरोसे क्यो छोड़ दी गई? आम आदमी का प्रयागराज सफर तो रेलवे के जरिये ही पूरा होना था। उसके पास कहा कार व अन्य चार पहिया वाहन हैं। वह तो बाल बच्चो सँग रेलवे स्टेशन की तरफ ही बढ़ेगी। आखिर रेल ही तो आस्था के इस रेले का कुंभ नगरी जाने का एकमात्र जरिया थी। बावजूद इसके भारत सरकार का रेल मंत्रालय क्या करता रहा? सिफर्ऽ स्पेशल ट्रेन चला देने या रेल के फेरे बढ़ा देने तक ही उसकी जवाबदारी थी?

हादसे के बाद के बंदोबस्त पहले से लागू क्यों नही हुए?

रेल मंत्रालय की स्टेशन के अंदर, बाहर व डिब्बों के अंदर बाहर के हालात पर कोई तेयारी क्यो नही थी? कुंभ नगरी तक न पहुँचने का स्टेशनों पर पसरते गुस्से पर भी वह आंखें मूंदे क्यो बैठा रहा? सिफर्ऽ जीआरपी के जरिए हजारों लाखों लोगों को संभालने तक ही रेलवे क्यो सीमित रहा? स्थानीय पुलिस महकमा रेलवे का सहयोगी क्यो नही बनाया गया? जैसा दिल्ली में शनिवार को हुए मौत के तांडव के बाद रविवार को स्थानीय पुलिस की मदद ली गई, वैसा कुंभ की शुरुआत से ही क्यो नही किया गया?

प्रयाग जंक्शन जैसी व्यवस्था रेलवे ने हर स्टेशन पर क्यो नही की?

प्रयागराज में योगी सरकार ने पहले ही दिन से स्थानीय पुलिस को भी रेलवे स्टेशनों की जवाबदारी दी। स्टेशन के अंदर बेतहाशा भीड़ नही बढने देने व प्लेटफॉर्म पर कतारबद्ध लोगो को जाने देने का काम योगी सरकार ने किया। नतीजे में जहाँ करोडों पहुँचे, वहां एक भी हादसा रेलवे स्टेशन पर नही हुआ। जबकि जो दिल्ली में हुआ, वह हूबहू 2013 कुंभ में इलाहाबाद रेलवे स्टेशन पर हुआ था। प्रयाग जंक्शन की व्यवस्था रेलवे मंत्रालय ने हर स्टेशन पर क्यो नही की? क्यो नही उसने हर उस स्टेशनों पर पुलिस मदद की जरूरत महसूस नही हुई, जहाँ बोगियों में घुसने की मारामारी चंल रही थी?

स्थानीय पुलिस, अफसरों को रेलवे के न्यौते का इंतजार या घटना का?

दिल्ली हादसे के बाद भी हालातों से रेलवे कुछ नही सीखा। सीखता होता तो रविवार को इंदौर, भोपाल, रीवा, सतना, इटारसी में वैसे ही हालात क्यो बनते? अब भी रीवा, जबलपुर, सतना रुट पर स्टेशन व प्लेटफॉर्म पर हालात जस के तस बने हुए हैं। वही मुठीभर जीआरपी का अमला और हजारों हजार मुसाफिर। शायद रेलवे को इन स्टेशनों पर भी किसी हादसे का इंतजार हैं। इंतजार में तो स्थानीय पुलिस भी वैसे ही है, जैसे दिल्ली की थी। जिस तरह दिल्ली पुलिस कमिश्नर घटना के बाद स्टेशन पर बंदोबस्त के लिए पहुचे, वैसे ही स्थानीय अफसर शायद किसी घटना का इंतजार कर रहें हैं या रेलवे के न्यौते-मनुहार का? है न?

मंदिरों एवं धर्म-स्थलों में समाप्त हो वीआईपी संस्कृति

ललित गर्ग

मन्दिरों, धर्मस्थलों एवं धार्मिक आयोजनों में वीआईपी संस्कृति एवं उससे जुड़े हादसों एवं त्रासद स्थितियों ने न केवल देश के आम आदमी के मन को आहत किया है, बल्कि भारत के समानता के सिद्धान्त की भी धज्जियां उड़ा दी है। मौनी अमावस्या महाकुंभ में भगदड़ के चलते तीस लोगों की मौत ने ऐसे मौकों पर कुछ विशेष लोगों को मिलने वाले वीआईपी सम्मान एवं सुविधा पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। बात केवल महाकुंभ की नहीं है, बल्कि अनेक प्रतिष्ठित मन्दिरों में वीआईपी संस्कृति के चलते होने वाले हादसों एवं आम लोगों की मौत ने अनेक सवाले खड़े किये हैं। प्रश्न है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पहले ही कार्यकाल के दौरान वीआईपी कल्चर को खत्म करते हुए लालबत्ती एवं ऐसी अनेक वीआईपी सुविधाओं को समाप्त कर दिया था तो मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों की वीआईवी संस्कृति को क्यों नहीं समाप्त किया? क्यों महाकुंभ में वीआईपी स्नान के लिये सरकार ने अलग से व्यवस्थाएं की। क्यों एक विधायक अपने पद का वैभव प्रदर्शित करते हुए महाकुंभ में कारों के बड़े काफिले के साथ घूमते एवं स्नान करते हुए, पुलिस-सुविधा का बेजा इस्तेमाल करते हुए एवं सेल्फी लेते हुए करोड़ लोगों की भीड़ का मजाक बनाते रहे? सवाल यह पूछा जा रहा है कि हिंदुओं के धार्मिक स्थलों और आयोजनों में क्यों भक्तों के बीच भेदभाव होता है? वीआईपी दर्शन की अवधारणा भक्ति एवं आस्था के खिलाफ है। यह एक असमानता का उदाहरण है, जो लोकतांत्रिक मूल्यों पर भी आघात करती है।

महाकुंभ हो या मन्दिर, धार्मिक आयोजन हो या कीर्तन-प्रवचन भगदड़ के कारण जो दर्दनाक हादसे होते रहे हैं, जो असंख्य लोगों की मौत के साक्षी बने हैं, उसने वीआईपी कल्चर पर एक बार फिर से नये सिरे से बहस छेड़ दी है। सवाल उठ रहा है कि जब गुरुद्वारे में वीआईपी दर्शन नहीं, मस्जिद में वीआईपी नमाज नहीं, चर्च में वीआईपी प्रार्थना नहीं होती है तो सिर्फ हिन्दू मंदिरों में कुछ प्रमुख लोगों के लिए वीआईपी दर्शन क्यों जरूरी है? क्या इस पद्धति को खत्म नहीं किया जाना चाहिए, जो हिंदुओं में दूरिया का करण बनता है? योगी सरकार ने मौनी अमावस्या के दिन हुए हादसे से सबक लेते हुए भले ही वीआईपी सिस्टम पर रोक लगायी हो, लेकिन इस रोक के बावजूद महाकुंभ में वीआईवी संस्कृति बाद में भी पूरी तरह हावी रही है। महाकुंभ हो या प्रसिद्ध मन्दिर वीआईपी पास एवं दर्शन की व्यवस्था समाप्त क्यों नहीं होती? यह व्यवस्था समाप्त होना इसलिए भी जरूरी है क्योंकि भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 7 जनवरी को ही धार्मिक स्थलों पर होने वाली वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किये हैं। उन्हें ऐसे हासदे की उम्मीद भी नहीं रही होगी। निश्चित ही जब किसी को वरीयता दी जाती है और प्राथमिकता दी जाती है तो उसे वीवीआईपी या वीआईपी कहते हैं। यह समानता की अवधारणा को कमतर आंकना है। वीआईपी संस्कृति एक पथभ्रष्टता है। यह एक अतिक्रमण है। यह मानवाधिकारों का हनन है। समानता के नजरिए से देखा जाए तो समाज में इसका कोई स्थान नहीं होना चाहिए, धार्मिक स्थलों में तो बिल्कुल भी नहीं।

देश की कानून व्यवस्था एवं न्यायालय भी देश में बढ़ती वीआईपी संस्कृति को लेकर चिन्तीत है। मद्रास उच्च न्यायालय की मुदुरै पीठ ने अपनी एक सुनवाई के दौरान कहा भी है कि लोग वीआईपी संस्कृति से 'हताश' हो गए हैं, खासतौर पर मंदिरों में। इसके साथ ही अदालत ने तमिलनाडु के प्रसिद्ध मंदिरों में विशेष दर्शन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किए। राजस्थान में गहलोत सरकार ने भी मन्दिरों में वीआईपी दर्शनों की परम्परा को समाप्त करने की घोषणा की थी कि मन्दिरों में बुजुर्ग ही एकमात्र वीआईपी होंगे। इस तरह की सरकारी घोषणाएं भी समस्या का कारगर उपाय न होकर कोरा दिखावा होती रही है। अक्सर नेताओं एवं धनाढ्यों को विशेष दर्शन कराने के लिए मंदिर परिसरों को आम लोगों के लिये बंद कर दिया जाता है, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है, लोग वास्तव में इससे दुखी होते हैं और कोसते हैं। वीआईपी लोगों को तरह-तरह की सुविधाएं दी जाती है, मन्दिर के मूल परिसर-गर्भ परिसर में दर्शन कराये जाते हैं, उनके वाहन मन्दिर के दरवाजे तक जाते हैं, उनके साथ पुलिस-व्यवस्था रहती है, जबकि आम श्रद्धालुओं को कई किलोमीटर पैदल चलना होता है, भगवान के दर्शन दूर से कराये जाते हैं, उनके साथ धक्का-मुक्की की जाती है।

तीर्थस्थलों और गंगा स्नान में वीआईपी संस्कृति की बात कि जाये तो महाकुंभ मेले प्रयागराज, हरिद्वार या वाराणसी जैसे तीर्थस्थलों पर आम श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है, लेकिन वीआईपी के लिए अलग घाट बना दिये जाते हैं। जहां आम लोग भीड़ में संघर्ष करते हैं, वहीं खास लोगों के लिए विशेष स्नान व्यवस्था, सुरक्षा घेरा और सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। कई बार वीआईपी के स्नान के लिए आम श्रद्धालुओं को घंटों रोका जाता है, जिससे भीड़ में अफरातफरी तक मच जाती है। सवाल ये हैं कि जहां करोड़ों लोग जुट रहे हों, वहां आम श्रद्धालुओं की असुविधा को बढ़ाकर वीआईपी स्नान जैसी व्यवस्था क्यों? वीआईपी स्नान के बेहूदे एवं शर्मनाक प्रदर्शन की टीस महाराज प्रेमानंद गिरि के शब्दों में दिखी जब उन्होंने कहा कि प्रशासन का पूरा ध्यान वीआईपी पर था। आम श्रद्धालुओं को उनके हाल पर छोड़ दिया गया था। उनका आरोप है कि पूरा प्रशासन वीवीआईपी की जी-हुजूरी में लगा रहा, तुष्टीकरण में लगा रहा।

मोदी के शासन-काल में हिन्दू मन्दिरों एवं धार्मिक आयोजनों के लिये जनता का आकर्षण बढ़ा है, बात चाहे श्रीराम मन्दिर अयोध्या की हो या महाकुंभ की या ऐसे ही अन्य धर्मस्थलों की, करोड़ों की संख्या में आम लोग इन स्थानों तक पहुंच रहे हैं, लेकिन ईश्वर के दर्शन भी उनके लिये दोयम दर्जा एवं असमानता लिये हुए है। देश की आजादी के बाद सरकार ने कुछ मंदिरों में ट्रस्ट के माध्यम से व्यवस्था अपने हाथों में ली। शुरुआत में तो सभी मंदिर आम आदमी के लिये सुगम थे लेकिन धीरे धीरे अब इसमें प्रशासन के लोग अपनी घुसपैठ जमाने लगे। भीड़ भाड़ की स्थिति में अपने लोगों, अधिकारियों एवं नेताओं के लिए अलग से व्यवस्था का इंतजाम करने लगे। धीरे-धीरे ये राजनेताओं, मंत्रियों, अधिकारियों के वीआईपी दर्शन का आधार बनने लगे। इसका स्वरूप फिर से एक बार और बदला और एक नई संस्कृति का उदय हुआ और वह था वीआईपी दर्शन जो उनलोगों के लिए था जो एक विशेष शुल्क देकर उसका लाभ उठा सकते हैं, यानि भगवान के दरबार में भी दो तरह की व्यवस्था हो गई। एक आम जनता के लिए और एक उन लोगों के लिए जो आर्थिक रूप से सक्षम हों। एक आम आदमी जो घंटों लाइन में लगने के बाद मंदिर के अंदर प्रवेश करता है तो उसे बाहर से ही दर्शन करने के लिए बाध्य किया जाता है जैसे वह कोई अछूत हो और वहीं दूसरी ओर आपके सामने ही कुछ वीआईपी लोग बड़े आराम से मंदिर के गर्भगृह में दर्शन लाभ करते हुए नजर आते हैं।

लगता है मन्दिरों में दर्शन एवं धार्मिक आयोजनों में सहभागिता को लेकर आम आदमी गुलामी की मानसिकता को ही जी रहा है। इन स्थानों पर उसके स्वाभिमान, सम्मान एवं समानता को बेरहमी से कुचला जा रहा है। ये कैसा मंदिर और ये कैसा दर्शन जहाँ सरेआम आम दर्शनार्थी का अपमान हो रहा है। भगवान के मंदिर में वीआईपी व्यवस्था का क्या औचित्य है? इसलिए जिस भी मंदिर में वीआईपी दर्शन की सुविधा दी जा रही है उसके खिलाफ जनक्रांति हो। आज हिन्दू मन्दिरों की भेदभाव पूर्ण दर्शन-व्यवस्था को समाप्त करके ही आम आदमी को उसका उचित सम्मान किया जा सकता है, उसकी निराशा एवं पीड़ा को समझा जा सकता है। उन्नत राष्ट्र-चरित्र निर्मित को निर्मित करते हुए सबसे बड़ी जरूरत है कि पास, धन के बल अथवा राजनीतिक वर्चस्व के लिए हकदार का, गुणवंत का, आम आदमी का हक नहीं छीना जाए। अन्यथा आम आदमी के अन्तर पनप रहा यह विद्रोह एवं असंतोष किसी बड़ी क्रांति का कारण न बन जाये? भाजपा सरकार मन्दिरों एवं धार्मिक-स्थलों से वीआईपी संस्कृति को समाप्त करने के लिये कोई ठोस कदम उठाये।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

साड़ी में पतली दिखने के आसान टिप्स, जो आप नहीं जानती होंगी

साड़ी एक ऐसी पारंपरिक पोशाक है, जो हर उम्र की महिलाओं पर बहुत सुंदर लगती है। साड़ी पहनते समय कई महिलाएं अपने शरीर को स्लिम दिखाने के लिए चिंतित रहती हैं। सही कपड़े और स्टाइलिंग से आप आसानी से स्लिम दिख सकती हैं।

इस लेख में हम आपको कुछ सरल और प्रभावी टिप्स देंगे, जिनसे आप साड़ी में न केवल पतली बल्कि आकर्षक भी नजर आ सकती हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

साड़ी का कपड़ा होना चाहिए हल्का

साड़ी का कपड़ा आपके लुक को बहुत प्रभावित करता है। अगर आप स्लिम दिखना चाहती हैं तो हल्के और मुलायम कपड़े जैसे जॉर्जेट या शिफॉन की साडियां चुनें। ये कपड़े शरीर पर अच्छी तरह से बैठते हैं और आपकी बॉडी को एक सुंदर आकार देते हैं।

भारी सिल्क या कॉटन की जगह इन हल्के कपड़ों का चयन करें क्योंकि ये आपके शरीर को भारी दिखा सकते हैं।

प्रिंट्स पर ध्यान दें

प्रिंटेड साडियों का चुनाव करते समय छोटे प्रिंट्स वाली साडियां लें क्योंकि बड़े प्रिंट्स आपको मोटा दिखा सकते हैं।

वर्टिकल स्ट्राइप्स वाली साडियां भी अच्छा विकल्प होती हैं क्योंकि वे लंबाई बढ़ाकर आपको पतला दिखाती हैं।

फ्लोरल या ज्योमेट्रिक पैटर्न वाली छोटी प्रिंट्स वाली साडियां ट्राई कर सकती हैं।

इस तरह से आप बिना किसी अतिरिक्त मेहनत के

अपनी पसंदीदा साड़ी पहनकर भी स्लिम और आकर्षक नजर आ सकती हैं।

सही ब्लाउज का चयन करें

ब्लाउज का सही चयन भी आपको स्लिम लुक देने में मदद कर सकता है। फिटेड ब्लाउज पहनें, जो आपकी कमर को उभार दे और छाती के आकार को संतुलित रखे।

गहरे रंगों के ब्लाउज चुनें क्योंकि ये आपके ऊपरी हिस्से को पतला दिखाते हैं। अगर आपका पेट थोड़ा बाहर निकलता है तो हाई नेक या फुल स्लीव्स वाले ब्लाउज आजमाएं, जो आपके लुक को आकर्षक और संतुलित बनाते हैं। ऐसे ब्लाउज से आप आत्मविश्वास से भरी

बेल्ट लगाने से कमर पतली दिखती है और यह आपके पूरे लुक में नया अंदाज जोड़ती है।

नजर आएंगी।

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल बदलें

पल्लू ड्रेपिंग स्टाइल आपके लुक को खास बनाने में अहम भूमिका निभाता है। पल्लू को ढीला छोडने के बजाय इसे कंधे पर कसकर पिन करें ताकि यह आपकी शरीर की रेखाओं को उभार सके।

इससे न केवल आपका पेट छुप जाएगा बल्कि कमर भी पतली लगेगी। साथ ही पल्लू की चौड़ाई कम रखें ताकि यह ज्यादा जगह न घेरे और आपके लुक को संतुलित बनाए रखे।

इस तरह की ड्रेपिंग से आप स्लिम और आकर्षक नजर आएंगी।

बेल्ट का उपयोग करें

बेल्ट एक ऐसी एक्सेसरीज है, जो आपकी कमर को उभारने और आपके लुक को खास बनाने में मदद करती है। बेल्ट लगाने से कमर पतली दिखती है और यह आपके पूरे लुक में नया अंदाज जोड़ती है।

बेल्ट का रंग साड़ी से मेल खाता हो तो यह ज्यादा ध्यान आकर्षित नहीं करता, जिससे आपका लुक संतुलित रहता है। सही तरीके से बेल्ट का उपयोग आपके साड़ी पहनने के अनुभव को और भी खास बना सकता है।

खूबसूरती के लिए मेकअप के साथ ही अपने खान-पान पर भी ध्यान दें

सभी महिलाएं चाहती हैं कि वह खूबसूरत दिखें और इसके लिए सभी उपाय करती हैं पर इसके लिए मेकअप के साथ ही अपने खान-पान पर भी ध्यान देना जरुरी है। बेहतर खान-पान से जहां आप तरोताजा रहती हैं वहीं आपकी त्वचा में भी निखार आता है।

दमकती त्वचा के लिए अखरोट का सेवन करें

अखरोट का सेवन यूं तो पूरे शरीर के लिए फायदेमंद होता है। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा 3 फैटी एसिड दिल और सामान्ये स्वा स्यय दोनों के लिए अच्छी होते हैं। त्वेचा की सेहत सुधारने के लिए भी अखरोट के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है। इसमें ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है, जो त्वचा के लिए भी फायदेमंद होते हैं। अखरोट त्वचा को पोषण प्रदान करता और उसकी नमी बरकरार रखने में भी मदद करता

है। अखरोट में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा से गंदगी हटाकर निखार लाने में मदद करते हैं। इसका सेवन और इस्तेमाल दोनों ही त्वचा को स्वस्थ बनाने और निखार लाने में मदद करता है। अखरोट के साथ कई चीजों को मिलाकर इस्तेमाल करने से त्वचा बेहतर होती है।

अखरोट और शहद

अखरोट और शहद त्वाचा को जवां रखने में मदद करता है। यह त्वचा की नमी बरकरार रखने में मदद करता है।

ऐसे बनाएं फेस पैक : एक चम्मच अखरोट पाउडर, एक चम्मच ऑलिव ऑयल, 2 चम्मच गुलाब जल और आधा चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पैक को चेहरे पर 15 मिनट तक लगे रहने दें उसके बाद पानी से चेहरे को धो लें।

दही में लैक्टिक एसिड होता है जो त्वचा से मृत कोशिकाएं हटाने में मदद करता है। इसके साथ ही अखरोट ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है।

फेस पैक बनाएं : चम्मच दही और 1 चम्मच अखरोट का पाउडर मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पैक को 20 मिनट तक चेहरे पर लगे रहने दें। उसके बाद पानी से चेहरे को धो लें।

चीनी और अखरोट त्वचा को एक्सफोलिएट करने में मदद करता है। एक्सफॉलिएट में त्वचा से मृत कोशिकाएं हटती हैं और रक्त संचार बेहतर होता है।

फेस पैक बनाएं

एक चम्मच चीनी, एक चम्मच अखरोट पाउडर और कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस स्क्रब को चेहरे पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। इसे 15 मिनट तक लगे रहने दें उसके बाद ठंडे पानी से चेहरे को धो लें। अखरोट त्वचा में इंफेक्शन दूर करने में मदद करता है। यह त्वचा में निखार लाने में मदद करता है।

फेस पैक बनाएं : तीन चम्मच पपीते का गुद्दा, एक चम्मच शहद, दो चम्मच अखरोट और हल्दी मिलाकर पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर 15 मिनट तक लगे रहने दें। उसके बाद पानी से चेहरे को धो लें।

क्यों काले पड़ जाते हैं होंठ?

जिन लोगों के होंठ पूरी तरह से डार्क हो चुकी हैं उन्हें गुलाबी करना थोड़ा मुश्किल है, लेकिन कई महिलाएं ऐसी भी हैं जिसके होंठ बचपन में तो गुलाबी थे, लेकिन वक्त के साथ डिसकलर होने लगे, उनके लिप्स को दोबारा पिंक बनाया जा सकता है. आइए सबसे पहले जानते हैं कि आखिर होंठ क्यों काले पड़ जाते हैं

1. किसी चोट के कारण खून का थक्का बनना 2. विटामिन की कमी 3. लो बल्ड शुगर लेवल 4. साइटोटोक्सिक दवाएं 5. एडिसंस डिजीज 6. प्रेग्नेंसी

चुकंदर का रस

होंठों को गुलाबी बनाने के लिए सबसे पहले चुकंदर के छिलके उतार लें और इसका जूस निकाल लें. इसे अपनी उंगलियों की मदद से अपने होंठों पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें. इसे बाद में धो लें. जल्दी रिजल्ट पाने के लिए आप इसे हफ्ते में दो बार दोहरा सकते हैं.

चुकंदर में मौजूद नेचुरल बरगंडी रंग आपके होंठों को मुलायम और गुलाबी बनाने में मदद करता है.

ऐलोवेरा और शहद

होठों को गुलाबी करने के लिए अपने घर के गमले से ऐलोवेरा के पत्ते तोड़ें और इसमें से जेल निकाल लें, अब इसे एक कटोरी में शहद के साथ मिक्स करें और होठों पर लगाएं. अब इसे 15 मिनट के लिए छोड़ दें और आखिर में साफ पानी से लिप्स को धो लें. इससे होंठ सॉफ्ट और पिंक हो जाते हैं.

हाइड्रेटेड रहें

शरीर को हाइड्रेटेड रखने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं, इससे होंठों में रूखापन नहीं आएगा और ये फटेंगे नहीं. इसके अलावा लिप्स का डिसकलरेशन भी गायब हो जाएगा.

लिप्स को एक्सफोलिएट

लिप्स को एक्सफोलिएट करने के लिए एक नैपकिन या टूथब्रश को गीला करें और धीरे से अपने होठों को हल्के हाथों से रगड़ें. ये डेड स्किन और होठों की सूखी बाहरी परत को हटाता है, साथ ही ब्लड सर्कुलेशन में भी सुधार करता है. मुलायम गुलाबी होंठों के लिए हमेशा रात में नारियल का तेल लगाएं.

ऊर्जा के लिए खाएं ये खाद्य पदार्थ

कई लोगों को सुबह उठने में आलस आता है, जिसके कारण वे दिनभर थकान महसूस करते हैं। ऐसे में काम-काज में मन नहीं लगता और शरीर में दर्द होने लगता है।अगर आपको भी सुबह उठकर थकान होती है, तो अपनी डाइट में ये 5 खाद्य पदार्थ शामिल करें। इनके सेवन से आपको तुरंत ऊर्जा मिलेगी और आप तरो-तजा महसूस करेंगे।इन खाद्य पदार्थों के जरिए आपके स्वास्थ्य का समर्थन होगा और रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ जाएगी।

केले : केला एक बेहद पौष्टिक फल है, जो ऊर्जा बढ़ाने में योगदान दे सकता है। कई अध्ययनों से सामने आया है कि केले का सेवन करने से शरीर अधिक सक्रीय बन जाता है।इस फल में पर्याप्त मात्रा में पोटैशियन, फाइबर, विटामिन और कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जो आपकी सुबह की थकान को मिटाने और आपको स्वस्थ रखने में मदद कर सकते हैं।आप ऊर्जा बढ़ाने के लिए अपनी डाइट में ये पेय पदार्थ शामिल कर सकते हैं।

बेरी : बेरी एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर से भरपूर होती हैं, जो ऊर्जा बढ़ाने में मदद कर सकती हैंरास्पबेरी और ब्लैकबेरी शरीर को ऊर्जावान बनाने की क्षमता रखती हैं, जिनके सेवन से आप सुबह के वक्त भी सक्रिय रह सकते हैंवहीं, ब्लूबेरी न केवल थकान दूर करने में सहायता करती है, बल्कि इन्हें खान-पान का हिस्सा बनाने से याददाश्त भी मजबूत होती है।आप बेरी की स्मूदी बनाकर पी सकते हैं या इन्हें सब्जा के बीज के साथ खा सकते हैं।

हरी पत्तेदार सब्जियां : सर्दियों का मौसम शुरू होने वाला है, जिस दौरान बाजार में हरी पत्तेदार सब्जियां मिलने लगती हैं।आप सुबह उठकर बथुआ, पालक और सेम आदि जैसी पत्तेदार सब्जियां खा सकते हैं, जो थकान को मिटाने में सहायक होती हैंपालक आयरन का एक बढिया स्रोत है, जो कोशिकाओं तक ऑक्सीजन पहुंचाकर ऊर्जा प्रदान कर सकती है।

हर महिला के पास होनी चाहिए ये जैकेट, स्टाइल के साथ पहुचाएंगी गर्मी

सर्दियों का मौसम शुरू होने वाला है, जिस दौरान सभी की अलमारियों में रखे ऊनी कपड़े निकल जाते हैं।कपकपाती ठंड से खुद को बचाने के लिए महिलायें कपड़ों को लेयर करती हैं, जिसके कारण स्टाइलिश दिखना मुश्किल हो जाता है।हालांकि, आज के फैशन टिप्स में हम आपको 4 तरह की जैकेटों के सुझाव देंगे, जिन्हें पहनकर आप सर्दियों में भी खूबसूरत दिखेंगी।ये जैकेट आपको ठंड से बचाएंगी और स्टाइलिश लुक भी देंगी।

डेनिम जैकेट

जब बात जैकेट की आती है, तो सबकी जुबान पर पहला नाम डेनिम जैकेट का आता है। यह डेनिम के कपड़े से बनी जैकेट होती है, जो अलग-अलग स्टाइल में उपलब्ध होती है।आपको सर्दियों के लिए ऐसी डेनिम जैकेट खरीदनी चाहिए, जिसके अंदर मुलायम फ्लीस लाइनिंग लगी हो। आप डेनिम जैकेट को स्वेटर, हुडी, कुर्ती, ड्रेस या किसी भी अन्य कपड़े के साथ स्टाइल कर सकती हैं।यह हल्की ठंड वाले दिनों में पहनने के लिए आदर्श रहती हैं।

फ्लैनल जैकेट

फ्लैनल जैकेट सर्दियों में स्टाइलिश दिखने के लिए एक अच्छा विकल्प हो सकती हैं। ये जैकेट फ्लीस लाइनिंग के साथ बनाई जाती हैं, जो देखने में बिलकुल किसी शर्ट की तरह लगती हैं।आम तौर पर फ्लैनल जैकेट पर प्लैड नामक धारीदार प्रिंट होता है। इस जैकेट के साथ लेदर वाली जींस या स्कर्ट, स्वेटर और बूट पहनकर आपको एक

आकर्षक लुक मिलेगा।साथ ही आप इसे डेनिम जींस और हाई नेक स्वेटर के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं।

पफर जैकेट

पिछले कुछ सालों से महिलाओं के बीच पफर जैकेट बेहद लोकप्रिय होती जा रही हैं। यह जैकेट सिंथेटिक इन्सुलेशन या पंखों से भरी होती है, जो शरीर की गर्मी को बनाए रखती है।इस जैकेट को पहनकर आप सबसे ठंडी परिस्थितियों में भी गर्माहट महसूस करेंगी। यह जैकेट हल्की फूली होती है और क्रॉप किस्म में भी बिकती है।आप इस जैकेट को कई अलग-अलग तरीकों से स्टाइल कर सकती हैं और बेहद सुंदर दिख सकती हैं।

टेडी जैकेट

आप सभी ने बचपन में टेडी बियर से जरूर खेला होगा, जो बेहद मुलायम होता है। इन दिनों बाजार में टेडी जैसी दिखने वाली जैकेट मिलने लगी हैं, जिन्हें टेडी जैकेट कहा जाता है। इन्हें नकली कतरनी या ऊन से बनाया जाता है, जो रुई जैसी मुलायम होती हैं। ये जैकेट जींस और स्वेटर के साथ बहुत अच्छी लगती हैं और आप इन्हें स्कर्ट के साथ भी स्टाइल कर सकती हैं।

विटामिन ई आपकी त्वचा को बनाए रखता है कोमल, मुलायम और जवां

हमारे शरीर के सम्पूर्ण विकास और उसकी कार्य प्रणाली के साथ-साथ सभी तंत्रों को व्यवस्थित ढंग से चलाने में विटामिन्स काफी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. दरअसल विटामिन्स ऐसे ऑर्गेनिक कम्पाउंड्स होते हैं, जो आपके शारीरिक और मानसिक बीमारियों को दूर रखने के लिये बेहद जरूरी होते हैं. इसके साथ ही सौन्दर्य को भी बनाए रखने के लिये भी जरूरी माने जाते हैं. बॉडी डेवलपमेंट, हेल्थ और सौन्दर्य को बरकरार रखने में विटामिन ई बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.

बता दें, विटामिन ई यह पोषक तत्व आपकी त्वचा के लिए एक मल्टीटास्किंग बॉडीगार्ड की तरह है, जो इसे नुकसान से बचाता है, इसे हाइड्रेटेड रखता है और इसे जवां और चमकदार दिखने में मदद करता है.

स्किन के लिए विटामिन ई के फायदे

किहेल्दी और शाइनी स्किन बनाए रखने के लिए विटामिन ई सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक है. यहां प्वाइंट्स में बताया गया है कि यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है...

1.फ्री रेडिकल्स से लड़ता है:विटामिन ई एक नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट है, जिसका मतलब है कि यह आपकी त्वचा को फ्री रेडिकल्स (वे खतरनाक अणु जो त्वचा की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं और उम्र बढने की प्रक्रिया को तेज करते हैं) से बचाता है.विटामिन ई स्ट्रेस और अन्य पर्यावरणीय खतरों से बचाने के लिए ढाल के रूप काम करता है.

2.हानिकारक यूवी किरणों से बचाव :विटामिन ई के सबसे बड़े लाभों में से एक यह है कि यह त्वचा को हानिकारक यूवी किरणों से बचाता है. हालांकि

यह सनस्क्रीन का विकल्प नहीं है, लेकिन यह सूर्य से होने वाले नुकसान को बेअसर करने में मदद करता है, जिससे सनबर्न और लंबे समय तक फोटोएजिंग (यानी झुर्रियाँ और काले ध ब्बे) के खतरों कम होता है.

एंटी-एजिंग पावरहाउस

विटामिन ई त्वचा के पुनर्जनन को बढ़ावा देता है और कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ाता है, जिससे आपको एक कोमल, युवा त्वचा मिलता है.

डीप हाइड्रेशन

गहरी मॉइस्चराइजिंग विशेषताएं इसे एक बेहतरीन हाइड्रेटिंग एजेंट बनाती हैं. यह नमी को लॉक करता है, जिससे आपकी त्वचा नरम, कोमल और चिकनी हो जाती है.

1.जलन को शांत करता है:अगर आपकी त्वचा रूखी या संवेदनशील है, तो विटामिन ई आपके लिए बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है. यह जलन को शांत करता है और आपकी त्वचा की प्राकृतिक बाधा को ठीक करने में मदद करता है.

चमकती त्वचा के लिए विटामिन ई का उपयोग कैसे करें

अब जब आप इसके लाभों से परिचित हो गए हैं, तो यहां बताया गया है कि विटामिन ई को अपने लिए कैसे उपयोगी बनाया जाए...

सही प्रोडक्ट का चुनाव करें.

विटामिन ई सीरम, क्रीम, तेल और यहां तक कि कुछ क्लीन्जर में भी पाया जाता है. ऐसे प्रोडक्ट्स का चनाव करें जिनमें टोकोफेरॉल या टोकोट्रिएनॉल कंटेंट हो.

इसे सही तरीके से लेयर करें

अगर आप विटामिन ई सीरम का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो इसे क्लींजिंग और टोनिंग के बाद लेकिन मॉइस्चराइजर से पहले लगाएं. इससे यह आपकी त्वचा में गहराई तक समा जाता है.

इसे अन्य स्किनकेयर हीरोज के साथ मिलाएं

विटामिन ई विटामिन सी के साथ बहुत अच्छी तरह से मेल खाता है. साथ में, वे एक-दूसरे की प्रभावशीलता को बढ़ाते हैं, जिससे आपको चमकदार और निखरी की त्वचा मिलती है.

रात के समय में लगाना फायदेमंद

रात को सोने से पहले त्वचा पर विटामिन ई तेल की हल्की मसाज करने से काफी फायदा मिलता है. इसे सीधे-सीधे तौर पर त्वचा पर लगाया जा सकता है, लेकिन एलोवेरा जेल के साथ इसे मिलाकर चेहरे की हल्के हाथों से मसाज करने और फिर इसे धोने से त्वचा पर इसके प्रभाव ज्यादा बेहतर तरीके से नजर आता है.

सनस्क्रीन लगाना न भूलें

विटामिन ई यूवी क्षति से बचाता है, लेकिन यह सनस्क्रीन का विकल्प नहीं है. अपनी त्वचा को सुरक्षित रखने के लिए हमेशा एसपीएफ की परत लगाएं. डॉ. सरकार का कहना है कि अपनी त्वचा की देखभाल में विटामिन ई को शामिल करना स्वस्थ और अधिक चमकदार त्वचा की ओर एक कदम है. विटामिन ई आपकी त्वचा की रक्षा करता है, उसे नमी देता है और पोषण देता है.

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर कविता लेखन एवं प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन

संवाद सहयोगी

विकासनगर। सरदार महिपाल राजेंद्र जनजाति पीजी कॉलेज साहिया में अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्तराखंड की मातृभाषाएं गढ़वाली, कुमाऊनी एवं जौनसारी में स्वरचित मौलिक कविता लेखन एवं प्रस्तुतीकरण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें सोनिया प्रथम, कल्पना दूसरे और नेहा तीसरे स्थान पर रहीं। कार्यक्रम संयोजक पूनम चौहान ने बताया कि हमें अपनी मातृभाषा को उजागर करना चाहिए। जन्म के बाद प्रथम जो भाषा प्रयोग करते हैं वही हमारी मातृभाषा है। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का उद्देश्य भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को बढ़ावा देना और बहुभाषावाद को

प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम सह संयोजक डॉख रश्मि आर्या ने कहा कि आज हम अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस मना रहे हैं। जो हमें हमारी भाषाई जड़ों से जोड़ता है और विभिन्न भाषाओं की समृद्धि को संरक्षित रखने का संदेश देता है। कहा कि भाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न अंग है। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष रिंकूदास, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष वरुण प्रसाद सेमवाल एवं अंग्रेजी विभागाध्यक्ष रेखा द्वारा परिणाम की घोषणा की गई। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. शशिकला ने छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर श्यामा, रविता, मनीषा, रंजीता आदि उपस्थित रहे।

देर रात तक चल रहे पब और बार पर हो कार्रवाई

संवाद सहयोगी

देहरादून। कांग्रेस नेताओं ने दून में देर रात तक चल रहे पब, बार और क्लबों के संचालन पर रोक लगाने की मांग की है। इसे लेकर कांग्रेस नेताओं के प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को एसपी सिटी से मुलाकात कर इलाके की लोगों की समस्याओं को रखा। एसपी सिटी प्रमोद कुमार को सौंपे ज्ञापन में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजपुर रोड समेत दून के अन्य क्षेत्रों में स्थित पब, बार और क्लब देर रात तक संचालित किए जा रहे हैं। इनमें नियम कानूनों का उल्लंघन किया जा रहा है। देर रात तक तेज आवाज में म्यूजिक चलता है। इससे आसपास रहने वाले वृद्ध, बीमार और छात्र परेशान हैं। बोर्ड परीक्षाएं चल रही हैं और आधी रात तक तेज म्यूजिक चलाया जा रहा है। शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं की जा रही है। उन्होंने राजपुर रोड और जाखन इलाके में रात के वक्त होने वाले हुड़दंग को लेकर भी सख्त कार्रवाई की मांग रखी। महानगर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष लालचंद शर्मा, पूर्व विधायक राजकुमार के नेतृत्व में महामंत्री गोदावरी थपली, पार्षद अर्जुन सोनकर, प्रमोद गुप्ता, वीरेन्द्र बिष्ट, अनूप कपूर, राजेन्द्र सिंह घई, सुनील बांगा, आशु रतूड़ी, सुशील कुमार समेत अन्य एसपी सिटी कार्यालय पहुंचे थे।

रोडवेज कर्मचारियों ने शुरू किया बेमियादी धरना

देहरादून। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद ग्रामीण डिपो शाखा के कर्मचारियों ने आईएसबीटी में अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया है। कर्मचारियों ने डिपो प्रबंधन पर मनमानी का आरोप लगाया है। चेताया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन तेज किया जाएगा। आक्रोशित कर्मचारियों का कहना है कि डिपो के अधिकारी मुख्यालय के आदेशों का पालन नहीं कर रहे हैं। ड्यूटी आवंटन में मनमानी की जा रही है। एक यूनियन के कर्मचारियों के दबाव में आकर काम किया जा रहा है। जिससे डिपो के कर्मचारियों में आक्रोश व्याप्त है। कहा कि प्रबंधन से कई बार इसकी शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है, जिस कारण मजबूरन धरना देने के लिए बाध्य होना पड़ा है।

वेतन नहीं मिलने से नाराज वन कर्मी धरने पर डटे

संवाद सहयोगी

विकासनगर। वेतन नहीं मिलने से गुस्साए भूमि संरक्षण वन प्रभाग कालसी में तैनात दैनिक भोगी कर्मी दो सप्ताह से धरने पर डटे हुए हैं। कर्मियों का आरोप है कि अधिकारी दैनिक वेतनभोगी कर्मियों की उपेक्षा कर रहे हैं। शुक्रवार को भूमि संरक्षण वन प्रभाग के कालसी स्थित मुख्यालय में धरने पर बैठे दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बबलू कुंवर ने कहा कि 22 माह से वेतन नहीं मिलने के कारण उनके सामने परिवार के पालन पोषण की समस्या पैदा हो गई है। स्कूल में फीस जमा नहीं होने से स्कूल प्रबंधन उनके बच्चों को परीक्षा में शामिल करने से मना कर रहे हैं, जिससे बच्चों के भविष्य पर भी खतरा मंडरा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वेतन भोगी कर्मी किराए के आवास पर रहते हैं। लंबे समय से किराया नहीं देने से उन पर मकान खाली करने का दबाव भी बन रहा है। कहा कि 22 माह से वेतन नहीं मिलने से कर्मचारियों के परिवारों के सामने सड़क पर आने की नौबत आ गई है। विभागीय अधिकारियों को कई बार अपनी समस्या से अवगत कराया गया, लेकिन अधिकारी उनके साथ सौतेला व्यवहार कर रहे हैं। दैनिक वेतन भोगी कर्मियों की सुनवाई किसी भी स्तर पर नहीं हो रही है। कहा कि अधिकारियों की उपेक्षा से परेशान होकर दैनिक कर्मियों ने आंदोलन की राह चुनी है। कर्मचारियों ने कहा कि जब तक उन्हें उचित आश्वासन और भुगतान नहीं मिलता तब तक वे काम पर वापस नहीं लौटेंगे। कर्मियों ने विभाग को चेतावनी दी है कि भुगतान नहीं मिलने की स्थिति में वे हड़ताल पर ही रहेंगे। धरना प्रदर्शन करने वालों में कर्मचारी संघ के सचिव दीपक असवाल, गंभीर दास, दौलत सिंह, केशर नेगी, आनंद, करन, मोहन दास, राजू थापा, रेणू, पदमा, शीला देवी, मनोज, सोमपाल, ओमपाल, सतीश, मनोज कुमार, गोपाल आदि शामिल रहे।

छात्राओं ने उत्तराखंड विधानसभा भवन का शैक्षिक भ्रमण

सदन की कार्यवाही देखने के बाद विस अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी से मुलाकात

संवाद सहयोगी

देहरादून। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून की छात्राओं ने गुरुवार को उत्तराखंड विधानसभा भवन का शैक्षिक भ्रमण किया। शैक्षिक भ्रमण में कन्या गुरुकुल की स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी शोधार्थी विधानसभा के सदन में वित्त मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए बजट पेश किए जाने की कार्यवाही की गवाह बनीं। इस दौरान छात्राओं के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम की समन्वय हिंदी विभाग से डॉ. निशा यादव व अंग्रेजी विभाग से डॉ. रीना वर्मा रहीं।

जानकारी के अनुसार गुरुकुल कांगड़ी सम विश्वविद्यालय के कन्या गुरुकुल परिसर देहरादून की छात्राओं ने गुरुवार को उत्तराखंड विधानसभा भवन का शैक्षिक भ्रमण किया। कन्या गुरुकुल के हिंदी विभाग द्वारा आयोजित इस शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का उद्देश्य बालिकाओं को संसदीय परंपराओं, विधायी कामकाज और सदन के संचालन में स्पीकर व पक्ष-विपक्ष की भूमिकाओं से रूबरू कराना था। शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम इस मायने से भी छात्राओं के लिए उपयोगी व ज्ञानवर्धक रहा कि यह बजट सत्र था और सभी छात्राएं बजट सत्र के दौरान विधानसभा की कार्यवाही से अवगत हुईं। दर्शक दीर्घा में बैठकर वित्तमंत्री द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे बजट को समझा व देखा। सदन की कार्यवाही देखने के बाद छात्राओं को विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण से मुलाकात का मौका मिला। मुलाकात के दौरान विधानसभा अध्यक्ष ने छात्राओं को विधायी कामकाज तथा सदन के संचालन को लेकर जानकारी दी। इस दौरान छात्राओं ने कैंट विधायक सविता कपूर से भी मुलाकात कर उनके संसदीय अनुभव के बारे में जानकारी ली।

विधानसभा सचिवालय के कर्मचारियों ने छात्राओं को विधानसभा भवन का भ्रमण करवाया। इस दौरान छात्राओं ने विधानसभा भवन में मंत्रियों के कक्षों से लेकर नेता विपक्ष के कार्यालय तथा ई विधानसभा को लेकर महत्ती जानकारी हासिल की। छात्राओं ने परिसर की दीवारों पर लगाए गए शहीदों के चित्रों का अवलोकन किया और राज्य निर्माण आंदोलन के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस दौरान छात्राओं के शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम की समन्वय हिंदी विभाग से डॉ. निशा यादव व अंग्रेजी विभाग से डॉ. रीना वर्मा रहीं। शैक्षिक भ्रमण में सीता कुमारी, पल्लवी शर्मा, आकृतिका, आसमा, सिया, मोनिका, कुमकुम, कुलदीप कौर, तरनजीत कौर, सलोनी, इशिका रावत, महक, निशा भारती आदि उपस्थित रहीं।

नगर आयुक्त ने किया प्लास्टिक वेस्ट सेग्रीगेशन सेंटर का निरीक्षण

देहरादून। नगर आयुक्त नमामि बंसल ने गुरुवार को एसडीसी फाउंडेशन की ओर से बनाए गए प्लास्टिक वेस्ट सेग्रीगेशन सेंटर का निरीक्षण किया गया। यह सेंटर मेंहूवाला में बनाया गया। फाउंडेशन के फाउंडर अनूप नौटियाल ने बताया गया कि शहर में 300 से ज्यादा प्लास्टिक बैंक स्थापित किए गए हैं, जिनसे उनको प्रतिदिन इकट्ठा होने वाले प्लास्टिक को मेंहुवाला स्थित प्लास्टिक वेस्ट सेग्रीगेशन सेंटर पर लाया जाता है और यहां इसको रिसाइकिल कर प्लास्टिक के उत्पाद बनाए जाते हैं। इसके बाद नगर आयुक्त ने स्थानीय कबाड़ियों की ओर से बनाए गए मिनी एमआरएफ सेंटरों का भी निरीक्षण किया। इस मौके पर सहायक नगर आयुक्त राजबीर सिंह चौहान, मनोज कुमार, आदि मौजूद रहे।

नौकरी का झांसा दे देशभर के लोगों को ठग रहा इंजीनियरिंग छात्र गिरफ्तार

संवाद सहयोगी

देहरादून। दून पढ़ रहा इंजीनियरिंग का छात्र देशभर के लोगों को नौकरी का झांसा देकर ठग रहा था। गृह मंत्रालय के साइबर पोर्टल पर हाल में उसके खिलाफ तीस शिकायत दर्ज हुई। एसटीएफ ने दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल का निवासी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ नवनीत सिंह भुल्लर ने जानकारी देते हुए बताया कि हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, चंडीगढ़, दिल्ली सहित कई राज्यों से इस फर्जी वेबसाइट के जरिए ठगी की लगभग 30 शिकायतें प्राप्त हुई थीं। इन शिकायतों पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ टीम ने साइबर ठग की गतिविधियों पर नजर रखी और उसे प्रेमनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान कृपाल शर्मा मूल निवासी सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल के रूप में हुई है। एसटीएफ की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी लिंक्डइन अकाउंट के जरिए बेरोजगार युवाओं से संपर्क करता था और उन्हें न्यूट्रिनो लैब नामक अपनी फर्जी कंपनी में नौकरी देने का वादा करता था। इंटरव्यू के बाद वह उम्मीदवारों को कंपनी से ही एक पैनटैब खरीदने के लिए मजबूर करता था। जिसकी कीमत 5000 से 6000 रुपये होती थी। भुगतान प्राप्त करने के बाद वह संपर्क करने वाले को ब्लॉक कर देता था। आरोपी से पूछताछ में यह भी सामने आया कि वह बेरोजगार युवक-युवतियों को यह कहकर गुमराह करता था कि उन्हें विभिन्न विषयों जैसे भौतिकी, जीवविज्ञान आदि के प्रश्न हल कर उनकी वीडियो बनानी होगी और उसे वेबसाइट पर अपलोड करना होगा। बदले में उन्हें अच्छे भुगतान का आश्वासन दिया जाता था। जब पीड़ित ऐसा करने के बाद पैसे वापस मांगते, तो उन्हें टाइम ओवर बताकर ब्लॉक कर दिया जाता था। आरोपी के कब्जे से घटना में प्रयुक्त लैपटॉप, एक मोबाइल फोन, दो पेन टेब, चार क्रेडिट कार्ड, दो चुक और एक हिसाब की डायरी मिली।

मॉक ड्रिल : भट्टा फॉल रोपवे में फंसे पांच पर्यटकों को बचाया

संवाद सहयोगी

देहरादून। आपदा प्रबंधन विभाग ने भट्टा फॉल रोपवे में शुक्रवार को फंसे यात्रियों को सकुशल निकालने की मॉक ड्रिल की। विभागों के बीच तालमेल को जांचा गया। साथ ही रोपवे में फंसे लोगों को निकालने की तकनीकों को परखा गया। मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, मसूरी पुलिस, फायर सर्विस, आइटीबीपी, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, नगर प्रशासन और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी मौजूद रहे। शुक्रवार सुबह भट्टा रोपवे में पांच यात्रियों के फंसने की सूचना के बाद पूरा सिस्टम अलर्ट मोड में आ गया। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ के साथ ही पुलिस और फायर के जवानों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया। अभियान में जुटे जवानों ने जान की बाजी लगाकर रोपवे से पांच पर्यटकों को निकालने की कसरत सफलता पूर्वक की। उन्हें सुरक्षित निकालने के बाद मौके पर प्राथमिक उपचार भी दिया। इसके बाद एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया। इस दौरान विभागों के बीच आपसी समन्वय का आंकलन करने के साथ ही रेस्क्यू में कम से कम समय लगे इसका प्रयास किया गया। मसूरी कोतवाल संतोष कुंवर ने बताया कि उत्तराखंड आपदा के तहत संवेदनशील है और किस प्रकार से आपदा प्रबंधन की टीम समय रहते जान माल की हिफाजत करता है उसका एक नमूना देखने को मिला है, जिसमें सभी विभागों ने बढ चढ़कर भागीदारी निभाई व आपदा प्रबंधन के उपकरणों का प्रयोग करते हुए रोपवे में फंसे यात्रियों को सकुशल निकालने का सफल प्रदर्शन किया। भारत तिब्बत सीमा पुलिस बल के उप निरीक्षक सुभाष चंद्र ने कहा कि आईटीबीपी ने अपनी अनुभवी टीम को मॉक ड्रिल में शामिल किया था। एनडीआरएफ के सहायक सेनानी अजय पंत ने कहा कि सभी विभागों ने आपसी तालमेल का परिचय देते हुए रोपवे में फंसे यात्रियों को सकुशल निकालने का सफल प्रदर्शन किया।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने 7वें कॉमन रिव्यू मिशन की बैठक में प्रतिभाग किया

संवाद सहयोगी

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी तथा भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत 7वें कॉमन रिव्यू मिशन का नेतृत्व कर रहे संजय अग्रवाल (सेनानिवृत आईएएस, पूर्व सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण) ने राज्य में कॉमन रिव्यू मिशन से अपेक्षाओं के सम्बन्ध में आज विधानसभा भवन में बैठक ली। सीआरएम (कॉमन रिव्यू मिशन) द्वारा 7वें कॉमन रिव्यू मिशन के तहत मुख्य सचिव एवं ग्रामीण विकास, जलागम, पंचायती राज सहित सभी संबंधित विभागों से राज्य की विशेष परिस्थितियों के अनुरूप वर्तमान में संचालित योजनाओं में आवश्यक बदलावों के सम्बन्ध में सुझाव मांगे गए हैं। सीआरएम द्वारा ग्राम्य विकास से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं से बेहतर परिणाम प्राप्त करने हेतु प्रत्येक योजना में कम से कम 5 इनोवेटिव सुझाव मांगे गए हैं। इसके साथ ही सीआरएम सदस्यों ने राज्य में योजनाओं के क्रियान्वयन दौरान अपनायी जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का विवरण भी सीआरएम को देने के निर्देश दिए हैं। सीआरएम द्वारा राज्य में योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान आ रही समस्याओं, बाधाओं एव कमियों से भी अवगत कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनमें आवश्यक सुधार किया जा सके। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राज्य के विशेष परिस्थितियों के अनुरूप कुछ योजनाओं में नीतिगत स्तर पर आवश्यक सुधारों की बात कही। उन्होंने मनरेगा के तहत सेवा क्षेत्र को सम्मिलित करने तथा वॉटर शेड प्रोग्राम में राज्य के विशेष परिस्थितियों के अनुकूल सुधार के सुझाव दिए हैं। ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार का 7वां कॉमन रिव्यू मिशन (सी०आर०एम०) 18 फरवरी से 02 मार्च तक प्रस्तावित है। सी०आर०एम० को ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रकरणों को समझने एवं बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण हेतु सुझाव देने का कार्य सौंपा गया है। 7वां सी०आर०एम० संजय अग्रवाल, पूर्व सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा लीड किया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ, वरिष्ठ शिक्षाविदों सहित कुल 36 सदस्यों द्वारा उत्तराखंड सहित 09 राज्यों का दौरा किया जायेगा। सी०आर०एम० के सदस्यों द्वारा 21 फरवरी को राज्य के अधिकारियों के साथ मुख्य सचिव राधा रतूड़ी की अध्यक्षता में ब्रीफिंग सेशन किया गया, तत्पश्चात् सदस्य दो समूहों में गठित होकर 22 फरवरी से दिनांक 24 फरवरी तक दो जनपदों का दौरा करेंगे, जिसके उपरान्त सचिवालय में 25 फरवरी को सभी सदस्य पुनर्गठित होकर सचिव, ग्राम्य विकास विभाग की अध्यक्षता में डीब्रीफिंग सत्र में प्रतिभाग करेंगे। बैठक में सचिव राधिका झा, चन्द्रेश कुमार, अपर सचिव मनुज गोयल सहित सभी संबंधित विभागों के अपर सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।